मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 9 अंक 129
शनिवार, 21 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सांस्कृतिक संवाद एससीओ के सभी सदस्य देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। नई दिल्ली के पुराना किला में आयोजित एससीओ सभ्यता संवाद के दौरान पीएम मोदी ने प्रदर्शनी का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय परंपरा, संस्कृति और विरासत से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों को देखा। इस दौरान पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि एक ऐसे समय में जब दुनिया में युद्ध की चर्चा हो रही है, भारत में सभ्यता संवाद हो रहा है। यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि शांति की गारंटी सभ्यताओं के बीच संवाद से ही मिल सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले ही शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने अपने 25 वर्ष पूरे किए हैं। इन वर्षों में संगठन ने कनेक्टिविटी और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पीएम मोदी ने कहा कि सांस्कृतिक संवाद एससीओ के सभी सदस्य देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा। इससे नए अवसर पैदा होंगे और नए विचार सामने आएंगे। साथ ही, यह दुनिया को एकजुट करने में भी मददगार होगा। उन्होंने कहा कि पुराना किला भारत की ऐतिहासिक धरोहर है। इसका इतिहास और इससे जुड़ी गाथाएं बेहद पुरानी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इस वक्त हम दिल्ली के पुराने किले में हैं। यह पुराना किला भारत की अद्भुत सांस्कृतिक धरोहर है। इसका इतिहास जितना आकर्षक है, उतनी ही फैसिनेटिंग गाथाएं भी



इसका हिस्सा हैं। आपने शायद इसके बारे में सुना और पढ़ा भी होगा। विद्वानों के अनुसार, इस किले का इतिहास हजारों वर्ष पूर्व महाभारत काल तक जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले एससीओ सभ्यता संवाद मंच में शामिल होने पहुंचे सभी विदेशी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, जब दुनिया में युद्ध और अशांति की चर्चा हो रही है, भारत में सभ्यताओं के बीच संवाद और सांस्कृतिक जुड़ाव पर चर्चा हो रही है।

यह आयोजन इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक शांति की सबसे मजबूत गारंटी सांस्कृतिक जुड़ाव है। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ महीने पहले ही शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे किए हैं।

बीते वर्षों में संगठन ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया है। सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक और सभ्यतागत सहयोग इन संबंधों को और मजबूत कर सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह मंच सांस्कृतिक सहयोग के लिए नए विचारों और अवसरों को बढ़ावा देगा। साथ ही, साझा सभ्यतागत अनुभव दुनिया को करीब लाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एससीओ सभ्यता संवाद कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) आपसी सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच है।

पीएम मोदी के बयान पर बोले राहुल गांधी, यह सरकार की आर्थिक विफलता की स्वीकारोक्ति

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके हालिया बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कॉरपोरेट जगत के नेताओं से वेतन वृद्धि और रोजगार सृजन पर सवाल उठाए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस बयान को उनकी अपनी सरकार की आर्थिक नीति की विफलताओं की स्वीकृति बताया। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसी) के शताब्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों ने एकाधिकार को बढ़ावा दिया है और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) जैसे रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्रों को कमजोर किया है। गांधी ने अपने संबोधन में कहा कल मोदी जी उद्योगपतियों पर कटाक्ष कर रहे थे हमने कर कम



किए, फिर भी आपने न तो वेतन बढ़ाया और न ही रोजगार सृजित किए। मोदी जी, ये उन पर आरोप नहीं हैं - ये तो आपकी अपनी स्वीकारोक्ति है। प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी पर निशाना साधते हुए कि उद्योग जगत के दिग्गजों की भूख कभी शांत नहीं होती। आप कहते हैं वे इतने भूखे हैं कि अपना पेट भी नहीं भर पाते।' बहुत खूब। पूरा देश जानता है कि यह भूख किसकी है। हवाई अड्डे, बंदरगाह, खदानें, जंगल, बिजली, कोयला, सड़कें सब कुछ उन्हें सौंप दिया गया। उन्होंने कितनी नौकरियां पैदा कीं? गांधी ने आगे कहा कि छोटे व्यापारियों और MSMEs–जिन्हें उन्होंने रोजगार पैदा करने वाला बताया को नोटबंदी और उनके शब्दों में खामियों वाले GST ने बर्बाद कर दिया। बड़ी कंपनियाँ ईमानदारी से मुकाबला कर रही थीं, आपने तो उनके लिए मैदान ही पूरी तरह खत्म कर दिया। एकाधिकार (मोनोपोली) से नौकरियां पैदा नहीं होतीं। इससे कीमतें बढ़ती हैं और प्रतिस्पर्धा खत्म हो जाती है। तुम करके दिखाओ, फिर हम देखेंगे? मोदी जी, लूट तो आपने और आपके दोस्तों ने मचाई है। देश ने इसे देखा है, और अभी भी देख रहा है। तारीफ नहीं मिली, तो बुरा मान गए? आपकी नीतियों ने किसी को भी तारीफ के काबिल नहीं छोड़ा–न उद्योगपतियों को, न छोटे व्यापारियों को, न महंगाई से जूझ रहे गरीब और मध्यम वर्ग को, और न ही बेरोजगार युवाओं को।

इटली में मजदूरों का देशव्यापी हल्लाबोल, 100 से अधिक शहरों में सड़कों पर उतरे श्रमिक और छात्र

रोम, 20 नवम्बर। इटली के कई शहरों में शुक्रवार को मजदूर और छात्र सड़कों पर उतरे और उन्होंने अधिक पारिश्रमिक, जीवन-यापन की लागत में कमी एवं बेहतर सामाजिक सुरक्षा की मांग को लेकर मार्च किया। इटली के सबसे बड़े मजदूर संघ, CGIL द्वारा बुलाई गई 24 घंटे की हड़ताल के चलते, उत्तर में मिलान और ट्यूरिन से लेकर नेपल्स, पलेर्मो व रोम तक 100 से अधिक शहरों में प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने वेतन में ठहराव, जीवन-यापन पर लागत बढ़ने और सरकार की उन विफलताओं की आलोचना की, जिनके कारण सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत करने और श्रमिकों को सुरक्षा प्रदान करने में वह (सरकार) नाकाम रही है। यह श्रमिक आंदोलन अंतरराष्ट्रीय छात्र एकजुटता दिवस पर हो रहा, जिसके



तहत आयोजकों ने इटली के 45 से अधिक शहरों में प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। छात्र समूहों ने श्रमिकों के साथ मिलकर शिक्षा में अधिक निवेश, जीवन-यापन के खर्च के संकट को कम करने के उपायों, और असमानता घटाने वाली नीतियां बनाने की मांग की। रोम में एक रैली से पहले, सीजीआईएल के महासचिव मॉरीज़ियो लैंडिनी ने कहा, "हमें सामाजिक और आर्थिक मॉडल में आमूल-चूल बदलावों की जरूरत है।" इस हड़ताल में सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्र शामिल हैं। कई शहरों में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित होने की आशंका थी, जबकि स्कूल के बंद रहने और कुछ स्वास्थ्य केंद्रों में कामकाज बाधित होने के आसार थे। कई शहरों में प्रदर्शनों के आयोजन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए हैं। शुक्रवार के लिए हवाई परिवहन कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़तालें रद्द कर दी गई हैं, हालांकि मिलान और वेनिस हवाई अड्डों पर कर्मियों की अलग-अलग हड़तालें रविवार के लिए निर्धारित हैं।

भक्ति के सुरों पर बीट्स की थाप, नमो घाट पर झूम उठी काशी

काशी गंगा महोत्सव के पहले दिन भजन क्लबिंग ने बांधा समां, बैकस्टेज सिबलिंग बैंड की प्रस्तुति में परंपरा और आधुनिकता का दिखा अनूठा संगम

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की शाम हो, गंगा का किनारा हो और संगीत की लहरियों पर झूमते कदम... देव दीपावली की आहट के बीच नमो घाट ने शुक्रवार की शाम उत्सव का एक नया रंग देखा। यहां भक्ति ने आधुनिक संगीत की धुनों का हाथ थामा तो सुरों और बीट्स की जुगलबंदी ने ऐसा समां बांधा कि पूरा वातावरण उल्लास से भर उठा। शाम सात बजे ह्यएक संध्या सुरों और बीट्स के नामह्न से सजी ह्यकाशी भजन क्लबिंगह्न का शुभारंभ बैकस्टेज सिबलिंग बैंड की प्रस्तुति के साथ हुआ। संगीत की पहली लय के साथ ही नमो घाट पर मौजूद लोगों के कदम थिरकने लगे।

इस शाम की खासियत यह रही कि भजनों की पारंपरिक मिठास को आधुनिक संगीत की धड़कनों के



साथ पिरोया गया। परिचित भक्ति गीत जब नए संगीत संयोजन और दमदार बीट्स के साथ गूंजे तो युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। किसी ने तालियों से संगत की तो कोई सुरों की लय में खुद को भूलकर थिरकता नजर आया। संगीत की इस महफिल में उम्र की सीमाएं भी मानो पीछे छूट गईं।

काशी की पहचान सदियों से मंदिरों की घंटियों, शंखनाद, डमरुओं और भजन-कीर्तन की स्वर लहरियों से रही है। ऐसे में भजन क्लबिंग का यह प्रयोग परंपरा से विमुख होने के बजाय उसे नई पीढ़ी की पसंद और संवेदना से जोड़ने की कोशिश के रूप में सामने आया। यहां भक्ति की आत्मा पारंपरिक रही, लेकिन उसकी प्रस्तुति का अंदाज नया था। यही वजह रही कि नमो घाट की यह संध्या महज एक संगीत कार्यक्रम नहीं, बल्कि बदलते समय में काशी की सांस्कृतिक जीवंतता का भी परिचय बन गई। देव दीपावली से पहले आयोजित चार दिवसीय काशी गंगा महोत्सव की शुरूआत भी इसी सांस्कृतिक विविधता के साथ हुई है। आने वाले दिनों में शास्त्रीय संगीत, लोकगायन, कथक, ओडिसी और भरतनाट्यम जैसी विधाओं की प्रस्तुतियां होंगी। इस तरह गंगा के तट पर सुर, साधना और संस्कृति की अलग-अलग धाराएं मिलकर काशी के उत्सव को नया विस्तार देंगी।

रूस ने लिया क्रीमिया पुल पर हमलों का बदला; यूक्रेन पर बरसाई मिसाइलें और ड्रोन, 3 लोगों की मौत व कई घायल



रूस। रूस ने बृहस्पतिवार को रातभर कीव में मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए, जिनमें तीन लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। इन हमलों में पुलों और परिवहन संबंधी बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा। स्थानीय प्रशासन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ये हमले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस चेतावनी के कुछ घंटे बाद हुए, जिसमें उन्होंने इस सप्ताह कब्जे वाले क्रीमिया क्षेत्र को रूस की मुख्य भूमि से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण केर्च पुल पर यूक्रेन के तीन हवाई हमलों का जवाब देने की बात कही थी। कीव शहर के सैन्य प्रशासन ने बताया कि हमले में राजधानी के चार जिले प्रभावित हुए। इसके कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हुई। ऊर्जा प्रदाता कंपनी डीटीईके ने कहा कि हमलों के बाद पेचेर्स्की, सोलोमियांस्की, होलोसिवस्की, निप्रोवस्की और दार्नित्स्की जिलों के कुछ हिस्सों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। प्रशासन ने एक बयान में कहा कि ओबोलोंस्की और होलोसिवस्की जिलों में गैर-आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा, जबकि पोडिल्स्की और दार्नित्स्की जिलों में परिवहन एवं लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

फिक्की सम्मेलन में भाषण पर मल्लिकार्जुन खड़गे का वार, पीएम मोदी पर विफलताएं मढ़ने का आरोप

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने FICCI के शताब्दी सम्मेलन में दिए गए अपने बयानों के जरिए, सरकार की विफलताओं के लिए कारोबारी समुदाय को जिम्मेदार ठहराया है। जब पीएम मोदी ने बेरोजगारी और वेतन वृद्धि को लेकर बड़े कारोबारियों से सवाल किए और उन्हें फटकार लगाई, तो खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री 12 साल बाद जागे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर 'क्रोनी कैपिटलिज्म' (कुछ खास उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाली पूंजीवाद व्यवस्था) का आरोप लगाया और कहा कि इसकी वजह से टरटए (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों) को नुकसान पहुंचा है। एक्स



पर एक पोस्ट में खड़गे ने लिखा, कांग्रेस पार्टी आर्थिक उदारीकरण की जननी है। देश में एक दशक की सबसे अधिक औसत विकास दर कांग्रेस-UPA के कार्यकाल के दौरान ही दर्ज की गई थी। लेकिन अपनी पुरानी आदत के चलते, पीएम मोदी ने FICCI में अपने भाषण में अपनी ही विफलताओं के लिए कारोबारी समुदाय को दोष दे दिया! ऐसा लगा मानो प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता हों। वे 12 साल बाद जागे हैं।

बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की कमी का आरोप लगाते हुए, खड़गे ने देश में बेरोजगारी और महंगाई का मुद्दा उठाया। सरकार की पहलों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा मेक इन इंडिया को 'चीन से खरीदो' (बाय फ्रॉम चाइना) में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी ने हमेशा सभी के लिए समान अवसर (लेवल प्लेइंग फील्ड) की वकालत की है; हमने बार-बार चेतावनी भी दी थी। लेकिन मोदी सरकार ने देश के सभी संसाधन 1-2 करीबी पूंजीपतियों को सौंप दिए और MSME (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) तथा छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ दी। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा न होने से नवाचार (इनोवेशन) दब गया, विनिर्माण की गुणवत्ता खराब हुई, और भारतीय उत्पादों की विश्वसनीयता तथा वैश्विक ब्रांड वैल्यू में गिरावट आई।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध



NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
— Since 1992 —
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

जेलें मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाने के केन्द्र बने



-ललित गर्ग

किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपराधियों को कितनी कठोर सजा देता है, बल्कि इससे होती है कि वह अपराध करने वाले मनुष्य को सुधारने के कितने अवसर देता है। अपराध की गंभीरता को कम करना न्याय नहीं है, लेकिन अपराधी को हमेशा अपराध की पहचान से बांध देना भी न्याय की पूर्ण अवधारणा नहीं हो सकती। सजा आवश्यक है, किंतु सजा का अंतिम उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, सुधार, नवनिर्माण और समाज की सुरक्षा होना चाहिए। इसी मानवीय दृष्टि से अब समय आ गया है कि भारत की जेल व्यवस्था को एक नई सोच, नई भाषा और नई कार्यप्रणाली दी जाए। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य की सभी जेलों में ह्यबोर्ड ऑफ विजिटर्सह्ल गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेलों की



आंतरिक व्यवस्था, बंदियों की समस्याओं, स्वास्थ्य, रहन-सहन, पुनर्वास तथा अधिकारों की निगरानी के लिए स्वतंत्र और संवेदनशील व्यवस्था बनाना निश्चित रूप से स्वागतयोग्य पहल है। बहुत जरूरत है कि दंड से सुधार, अपराधबोध से आत्मबोध और कारावास से पुनर्वास की ओर बढ़े भारतीय जेल व्यवस्था। इसे केवल किसी न्यायिक निर्देश की अनुपालना मानकर सीमित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि जेल सुधार की व्यापक राष्ट्रीय नीति का प्रारंभिक बिंदु बनाया जाना चाहिए। जेल शब्द ही हमारी मानसिकता का दर्पण है। जेल सुनते ही हमारे मन में बंद दीवारें, सलाखें, अपराध, सजा और भय की तस्वीर उभरती है। क्या हम इस संस्थान को ऐसी भाषा दे सकते हैं, जो सुधार की संभावना को सामनेरखे? सुधारगृह, पुनर्वास केंद्र, मानव पुनर्निर्माण केंद्र, नवजीवन केंद्र अथवा ह्यमानव सुधार एवं पुनर्वास गृह जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। नाम बदलना मात्र प्रतीकात्मक कार्य नहीं होगा, यदि उसके साथ कार्यसंस्कृति भी बदले। दीवारों पर लिखे शब्द बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। व्यवस्था तब बदलती है जब उसके पीछे की सोच बदलती है। भारत की जेल व्यवस्था आज अनेक चुनौतियों से घिरी है। क्षमता से अधिक बंदी, बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी, कर्मचारियों की कमी, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, अपर्याप्त पुनर्वास व्यवस्था तथा कभी-कभी भेदभाव और दुर्व्यवहार की शिकायतें यह बताती हैं कि केवल कारागार भवनों का विस्तार पर्याप्त नहीं है। हमें अपराध प्रबंधन से आगे बढ़कर ह्यमानव पुनर्निर्माण की व्यवस्था विकसित करनी होगी।

जेल में बंद व्यक्ति अपराध कर सकता है, लेकिन वह केवल अपराध नहीं है। उसके भीतर एक मनुष्य भी है-जिसमें विचार बदलने, पश्चात्ताप करने, सीखने और नया जीवन शुरू करने की क्षमता हो सकती है। न्याय व्यवस्था उसके अपराध का निर्धारण करती है, लेकिन सुधार व्यवस्था उसके भविष्य की संभावना तलाश सकती है। इसलिए जेल प्रशासन को सुरक्षा और अनुशासन के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी सक्रिय होना चाहिए। यहीं से सुधारगृह की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रत्येक जेल में अच्छी पुस्तकालय व्यवस्था हो, नियमित खेलकूद हों, योग और ध्यान की गतिविधियां हों, प्रेरक व्याख्यान हों, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण हो, संगीत, कला, लेखन और हस्तशिल्प जैसी रचनात्मक गतिविधियां हों। कैदियों के लिए व्यक्तित्व विकास, क्रोध-प्रबंधन, नशामुक्ति, पारिवारिक संबंध, नैतिक शिक्षा और जीवन-कौशल की कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। उन्हें केवल यह न बताया जाए कि उन्होंने क्या गलत किया, बल्कि यह भी सिखाया जाए कि अब उन्हें सही दिशा में कैसे आगे बढ़ना है।

इस संदर्भ में भारत के अणुव्रत आंदोलन का अनुभव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आचार्य तुलसी के नेतृत्व में अणुव्रत आंदोलन ने प्रारंभ से ही व्यक्ति के भीतर नैतिक चेतना जगाने को परिवर्तन का आधार माना। जेलों में भी अणुव्रत के माध्यम से नैतिक जागरण, आत्मचिंतन, ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जुड़े कार्यक्रम चलाए गए। इसका मूल संदेश था कि मनुष्य को केवल उसके अतीत से नहीं, उसके परिवर्तन की संभावना से भी देखा जाना चाहिए। यह अनुभव आज की जेल सुधार नीति के लिए महत्वपूर्ण प्रेरणा बन सकता है। अपराध से लड़ने का एक रास्ता कठोरता है, लेकिन उससे अधिक स्थायी रास्ता चेतना का परिवर्तन है। जिस व्यक्ति को पुस्तक पढ़ने, किसी विद्वान को सुनने, ध्यान करने, योग सीखने, कोई हुनर विकसित करने और अपने जीवन पर विचार करने का अवसर मिलता है, उसके भीतर परिवर्तन के द्वार खुल सकते हैं। जेल में बंद व्यक्ति को समाज से काटकर रखना आवश्यक हो सकता है, लेकिन उसे मानवीय समाज से पूरी तरह विमुख कर देना आवश्यक नहीं है।

बोर्ड ऑफ विजिटर्स की नई व्यवस्था को भी इसी व्यापक दृष्टि से जोड़ा जाना चाहिए। बोर्ड केवल निरीक्षण करने वाला निकाय न हो, बल्कि जेल सुधार का संवेदनशील प्रहरी बने। वह बंदियों से सीधे संवाद करे, उनकी शिकायतें सुने, स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति देखे, कानूनी सहायता की उपलब्धता जांचे और पुनर्वास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन करे। उसकी रिपोर्टों के आधार पर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित किए जाएं। यदि संभव हो तो नागरिक समाज, शिक्षा, मनोविज्ञान, चिकित्सा, विधि, खेल, योग, आध्यात्म और सामाजिक सेवा से जुड़े विशेषज्ञों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए। साथ ही, विचाराधीन बंदियों की समस्या को अलग प्राथमिकता मिलनी चाहिए। जिसका अपराध अभी सिद्ध ही नहीं हुआ, उसके लंबे कारावास को न्याय के व्यापक उद्देश्य के संदर्भ में देखना होगा। त्वरित न्याय, प्रभावी कानूनी सहायता, जमानत व्यवस्था और वैकल्पिक उपायों को मजबूत किए बिना जेलों की भीड़ कम करना कठिन होगा। सरकार को अब राष्ट्रीय जेल सुधारगृह कार्ययोजना जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक जेल के लिए सुधार का वार्षिक लक्ष्य तय हो। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, योग, ध्यान, खेल, पुस्तकालय, परिवार से संवाद और रिहाई के बाद पुनर्वास-इन सभी को एकीकृत योजना का हिस्सा बनाया जाए। जेल से बाहर आने वाले व्यक्ति को रोजगार, कौशल और सामाजिक पुनर्स्थापन से जोड़ने की व्यवस्था भी हो, ताकि वह पुनः अपराध की दुनिया में न लौटे। हरियाणा की पहल इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह जेल को केवल प्रशासनिक नियंत्रण के स्थान के रूप में देखने के बजाय उसके भीतर मानवीय जवाबदेही को मजबूत करने का अवसर देती है। अब जरूरत इस बात की है कि ह्यबोर्ड ऑफ विजिटर्सह्ल को एक जीवंत सुधार-तंत्र बनाया जाए और इसके साथ जेलों के नाम, स्वरूप और कार्यदर्शन-तीनों में परिवर्तन की शुरूआत हो।

जेल की ऊंची दीवारें मनुष्य को समाज से दूर कर सकती हैं, लेकिन विचारों के द्वार बंद नहीं कर सकतीं। यदि उन दीवारों के भीतर पुस्तक, प्रार्थना नहीं तो प्रबोधन, योग, खेल, शिक्षा, कौशल, संवाद और आत्मचिंतन के द्वार खोल दिए जाएं, तो वही स्थान अपराध की पुनरावृत्ति का केंद्र न रहकर परिवर्तन की प्रयोगशाला बन सकता है। भारत को ऐसी जेल व्यवस्था चाहिए जहां सजा हो, लेकिन अपमान न हो। अनुशासन हो, लेकिन अमानवीयता न हो। सुरक्षा हो, लेकिन संवेदनहीनता न हो और सबसे बढ़कर अपराध के प्रति कठोरता के साथ अपराधी के भीतर छिपे मनुष्य के प्रति करुणा भी हो। हरियाणा ने बोर्ड ऑफ विजिटर्स के माध्यम से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब इस पहल को जेल से सुधारगृह और दंड से पुनर्वास की राष्ट्रीय यात्रा में बदलने की जरूरत है। यदि भारत की जेलें मनुष्य को केवल बंद करने के स्थान के बजाय मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाने के केंद्र बन सकें, तो यह केवल जेल सुधार नहीं होगा, यह मानव सुधार की एक बड़ी सामाजिक क्रांति होगी।

शांति की आड़ में महाशक्तियों की नई बिसात



अशोक भाटिया

अंतरराष्ट्रीय राजनीति के इतिहास में कुछ तस्वीरें ऐसी होती हैं, जो केवल एक घटना को दर्ज नहीं करतीं, बल्कि आने वाले दशकों की भू-राजनीतिक दिशा तय करती हैं। चीन के शेनझेन स्थित कायलिन विला में एपेक शिखर सम्मेलन के दौरान एक ही गोलमेज पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ऐतिहासिक मुलाकात ऐसी ही एक युगांतरकारी परिघटना है। लगभग अस्सी मिनट तक चली इस त्रिपक्षीय वार्ता के बाद जारी किए गए चार-सूत्रीय 'शांति घोषणापत्र' को वैश्विक मीडिया के एक बड़े वर्ग द्वारा परमाणु हथियारों पर लगाम लगाने और विश्व शांति की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। परंतु कूटनीति की बारीक परतों को उधेड़कर देखें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या दुनिया की तीन सबसे बड़ी परमाणु महाशक्तियां वास्तव में हथियारों की होड़ समाप्त करने के लिए एकजुट हुई हैं, या फिर यह 1945 के 'याल्टा सम्मेलन' का एक नया संस्करण है, जहाँ बड़ी ताकतें बंद कमरे में बैठकर आपस में दुनिया के प्रभाव क्षेत्रों का बंटवारा करने बैठी हैं?

इस बैठक के सबसे चर्चित पहलू यानी परमाणु निरस्त्रीकरण की वास्तविकता पर गौर करना आवश्यक है। बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन और परमाणु मुक्त विश्व की वकालत की। सुनने में यह विचार अत्यंत आदर्शवादी और सुखद प्रतीत होता है, लेकिन इसके ठीक विपरीत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैठक के बाद यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं किया कि परमाणु हथियारों को पूरी तरह छोड़ना लगभग नामुमकिन है। यही विरोधाभास इस पूरे घोषणापत्र की असलियत को उजागर करता है। यदि हम घोषणापत्र की भाषा को ध्यान से पढ़ें, तो इसमें परमाणु हथियारों की संख्या घटाने या नई हथियार संधि करने जैसा कोई ठोस और बाध्यकारी वादा नहीं है। इसमें केवल 'परमाणु जोखिम कम करने की बातचीत' और रणनीतिक स्थिरता बनाए रखने की बात कही गई है। 'न्यू स्टार्ट' संधि की समाप्ति के बाद वैश्विक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था में जो शून्य पैदा हुआ था, उसे भरने के बजाय तीनों महाशक्तियों ने केवल संवाद की औपचारिकता निभाई है। विडंबना यह है कि एक तरफ चीन परमाणु मुक्त विश्व की अपील कर रहा है, तो दूसरी तरफ वह स्वयं अपने परमाणु शस्त्रागार का सबसे तेज गति से विस्तार कर रहा है। अमेरिका और रूस के पास पहले से ही दुनिया के नब्बे प्रतिशत से अधिक परमाणु हथियार मौजूद हैं। ऐसे में, बिना किसी ठोस कटौती के निरस्त्रीकरण की बातें करना वैश्विक जनमत को भ्रमित करने जैसा ही है।

शेनझेन बैठक का सबसे चौंकाने वाला और कम चर्चित पहलू वह है, जहाँ इन तीनों वैचारिक रूप से विरोधी महाशक्तियों के हित आपस में पूरी तरह मेल खाते हैं। यह पहलू है अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और वैश्विक न्याय प्रणाली को कमजोर करने का साझा प्रयास। घोषणापत्र में संयुक्त राष्ट्र में सुधार की बात तो कही गई है, लेकिन इसके साथ ही तीनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के खिलाफ एक अभूतपूर्व एकजुटता

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

दिखाई है। यह किसी से छिपा नहीं है कि रूस, अमेरिका और चीन, तीनों ही अपने-अपने कारणों से अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों और संधियों की निगरानी से बाहर रहना चाहते हैं। जब विश्व की तीन सबसे ताकतवर सरकारें मिलकर किसी वैश्विक न्यायिक संस्था के अधिकारों को सीमित करने पर सहमत होती हैं, तो यह छोटे और विकासशील देशों के लिए खतरे की घंटी बन जाता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि महाशक्तियां एक ऐसी व्यवस्था गढ़ना चाहती हैं, जहाँ नियम-कानून केवल कमजोर राष्ट्रों पर लागू हों, जबकि ताकतवर देश अपनी शर्तों पर दुनिया चलाएं। इसके अतिरिक्त, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व के संकट और ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे ज्वलंत वैश्विक मुद्दों पर इस घोषणापत्र की चुप्पी यह साबित करती है कि तीनों नेताओं ने उन विवादित विषयों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है, जिन पर उनके बीच टकराव की संभावना थी। इसे कूटनीति की भाषा में 'सुविधाजनक समझौता' कहा जाता है, जहाँ वास्तविक समस्याओं को हल करने के बजाय केवल अपनी छवि चमकाने वाले बिंदुओं पर सहमति बनाई जाती है।

भारत के दृष्टिकोण से, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत और आम नागरिकों के लिए इस त्रिपक्षीय जुगलबंदी के गहरे निहितार्थ हैं। भारत की विदेश नीति सदैव रणनीतिक स्वायत्तता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की पक्षधर रही है। यदि अमेरिका, रूस और चीन मिलकर किसी 'बिग-थ्री' क्लब का निर्माण करते हैं, तो यह भारत के बहुध्रुवीय विश्व के सपने के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। विशेष रूप से चीन की भूमिका भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शेनझेन की मेज पर बैठकर चीन ने स्वयं को एक शांतिदूत और जिम्मेदार वैश्विक नेता के रूप में पेश करने का सफल प्रयास किया है, जबकि वास्तविकता यह है कि उत्तरी सीमाओं पर उसकी आक्रामकता और हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी विस्तारवादी नीतियां आज भी क्षेत्र की शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हुई हैं। जब अमेरिका और रूस भी चीन को वैश्विक व्यवस्था का एक बराबर का साझेदार मानने लगते हैं, तो एशिया में शक्ति संतुलन प्रभावित होना तय है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि महाशक्तियों की इस नई दोस्ती की कीमत किसी भी रूप में एशियाई देशों की संप्रभुता या हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्वतंत्रता को न चुकानी पड़े। इसके साथ ही, रूस के साथ भारत के पारंपरिक और भरोसेमंद संबंधों को भी इस बदलते समीकरण के बीच नए सिरे से साधने की आवश्यकता होगी।

हालांकि, इस घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा पक्ष भी है, जो भारत के हर नागरिक की रोजमर्रा की जिंदगी और रसोई के बजट को प्रभावित करता है। शेनझेन घोषणापत्र में तीनों महाशक्तियों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाने और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने पर सहमति जताई है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का अस्सी प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है। यदि इस सहमति के परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें नियंत्रित रहती हैं और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला सुचारू बनी रहती है, तो यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर होगी। इससे देश में महंगाई को काबू में रखने, परिवहन लागत घटाने और बुनियादी ढांचे की विकास योजनाओं को गति देने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, यदि अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव कम होता है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता आएगी, जिसका लाभ भारतीय निर्यातकों और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र को भी मिल सकता है। साथ ही, घोषणापत्र में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का जो जिक्र किया गया है, भारत को उसका कूटनीतिक लाभ उठाते हुए अपनी स्थायी सदस्यता के दावे को और अधिक मुखरता से वैश्विक मंच पर रखना होगा।

दरअसल शेनझेन की इस ऐतिहासिक बैठक को विश्व शांति के अंतिम समाधान के रूप में देखने की भूल नहीं की जानी चाहिए। इतिहास गवाह है कि जब भी महाशक्तियों ने बंद कमरों में बैठकर दुनिया की तकदीर लिखने की कोशिश की है, उसका परिणाम नए शीत युद्ध, अविश्वास या क्षेत्रीय अस्थिरता के रूप में ही सामने आया है। सच्ची और स्थायी वैश्विक शांति केवल तीन देशों के राष्ट्राध्यक्षों के हाथ मिलाने या चार-सूत्रीय घोषणापत्र जारी करने से स्थापित नहीं हो सकती। परमाणु हथियारों का खतरा तभी समाप्त होगा, जब महाशक्तियां अपने शस्त्रागारों में वास्तविक, समयबद्ध और पारदर्शी कटौती करेंगी और इसके सत्यापन के लिए स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय निगरानी को स्वीकार करेंगी। इसके साथ ही, इक्कीसवीं सदी की किसी भी नई वैश्विक व्यवस्था में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र और 'ग्लोबल साउथ' के विकासशील देशों की आवाज को बराबर का सम्मान मिलना अनिवार्य है। शेनझेन की मेज से निकला संदेश स्पष्ट है कि दुनिया एक बड़े भू-राजनीतिक बदलाव के मुहाने पर खड़ी है, और इस बदलती बिसात पर भारत को अपनी कूटनीतिक सूझबूझ, आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पहले से कहीं अधिक सतर्क और सक्रिय रहना होगा।

सनातनी दायित्व में हिंदुत्व का प्रभुत्व



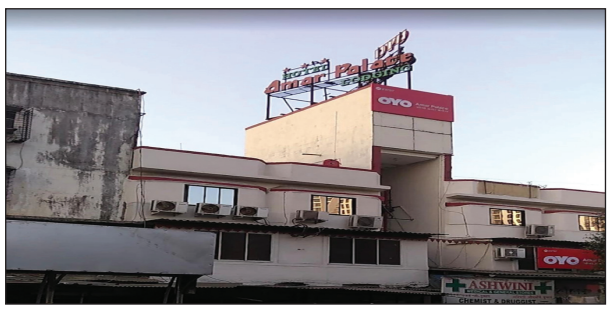
-विक्रम दयाल

भारत की सांस्कृतिक पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं, राजनीतिक व्यवस्थाओं अथवा आर्थिक उपलब्धियों से निर्धारित नहीं होती, बल्कि उसकी हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता, आध्यात्मिक चेतना, धार्मिक परंपराओं, पारिवारिक संस्कारों और मानवीय मूल्यों से होती है। इसी सांस्कृतिक विरासत का आधार सनातन परंपरा है, जिसने संसार को जीवन जीने की ऐसी दृष्टि प्रदान की, जिसमें धर्म के साथ कर्म, आस्था के साथ मयार्दा और अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समान महत्व दिया गया है। आज जब देश और समाज अनेक प्रकार की वैचारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक चुनौतियों से गुजर रहा है, तब सनातनी दायित्व में हिंदुत्व के वास्तविक स्वरूप और उसके सामाजिक प्रभुत्व पर विचार करना आवश्यक हो जाता है। आजकल के वातावरण में हिंदुत्व को लेकर विभिन्न प्रकार की चचाएँ, विचारधाराएँ और मतभेद सामने आते रहते हैं। कहीं धार्मिक पहचान को लेकर बहस है, कहीं परंपराओं के संरक्षण की चिंता है, कहीं सामाजिक एकता का प्रश्न है तो कहीं धर्म के नाम पर आपसी टकराव की परिस्थितियाँ दिखाई देती हैं। ऐसे समय में प्रश्न उठता है कि हिंदुत्व का वास्तविक उद्देश्य क्या है? क्या हिंदुत्व केवल धार्मिक नारों, आयोजनों और बाहरी प्रदर्शन तक सीमित रहना चाहिए, अथवा इसे अपने आचरण, व्यवहार, विचार और सामाजिक दायित्वों में भी दिखाई देना चाहिए? वास्तविकता यह है कि हिंदुत्व का प्रभाव तभी सार्थक हो सकता है, जब वह समाज के भीतर संस्कार, सद्भाव, न्याय, सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करे। राघव की मयार्दा, माधव की कर्मनीति और सनातन की जीवन-दृष्टिः भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में राघव अर्थात भगवान श्रीराम और माधव अर्थात भगवान श्रीकृष्ण दो ऐसे आदर्श स्वरूप हैं, जिनके जीवन से समाज को अलग-अलग परिस्थितियों में धर्म का पालन करने की प्रेरणा मिलती है। प्रभु श्रीराम ने मयार्दा, त्याग, सत्य, वचनबद्धता, पारिवारिक दायित्व और प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका जीवन बताता है कि शक्ति का वास्तविक महत्व दूसरों को दबाने में नहीं, बल्कि निर्बलों की रक्षा करने और न्याय की स्थापना करने में है। रामराज्य की कल्पना केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक व्यवस्था का आदर्श है, जिसमें किसी के साथ अन्याय न हो, जनता सुखी हो और शासक अपने कर्तव्य के प्रति जवाबदेह रहे। दूसरी ओर भगवान श्रीकृष्ण ने परिस्थितियों के अनुरूप धर्म की रक्षा, कर्म की प्रधानता, विवेक, नीति और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का संदेश दिया। श्रीमद्भगवद्गीता का कर्मयोग आज भी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रासंगिक है। उनका संदेश स्पष्ट करता है कि केवल उपदेश देने से परिवर्तन नहीं आता, बल्कि अपने कर्तव्य का ईमानदारी से निर्वहन करना भी धर्म है। राघव की मयार्दा और माधव की कर्मनीति यदि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उतर जाए, तो सामाजिक व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं। यही सनातनी दायित्व की मूल भावना है। हिंदुत्व का प्रभुत्व हो, लेकिन पहले अपने आचरण परः आज समाज में हिंदुत्व की चर्चा व्यापक रूप से होती है। धार्मिक आयोजनों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक मंचों पर सनातन परंपरा की गरिमा दिखाई देती है। यह सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण पक्ष है। लेकिन इसके साथ एक आत्ममंथन भी जरूरी है कि क्या हमारी धार्मिक चेतना हमारे दैनिक व्यवहार में भी दिखाई देती है? यदि मंदिर में जाकर भगवान के सामने सिर झुकाने वाला व्यक्ति घर लौटकर अपने माता-पिता का अपमान करता है, यदि धर्म की रक्षा की बात करने वाला व्यक्ति किसी गरीब का शोषण करता है, यदि सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला व्यक्ति जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देता है, तो ऐसी धार्मिकता अपने उद्देश्य से दूर हो जाती है। हिंदुत्व का वास्तविक प्रभुत्व दूसरों पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर श्रेष्ठ संस्कार स्थापित करने में होना चाहिए। धर्म का सम्मान तभी बढ़ता है, जब धर्म का अनुयायी अपने व्यवहार से दूसरों के लिए आदर्श बनता है। सनातन संस्कृति ने सदैव विविधता को स्थान दिया है। उपासना के अनेक मार्ग, दर्शन की विभिन्न परंपराएँ और जीवन के अनेक दृष्टिकोण भारतीय सभ्यता की विशेषता रहे हैं। इसलिए अपनी आस्था पर गर्व करना और दूसरों की आस्था एवं मानवीय गरिमा का सम्मान करना परस्पर विरोधी बातें नहीं हैं। धर्म की रक्षा का अर्थ सामाजिक दायित्वों की रक्षा भी हैः अक्सर धर्म की रक्षा की बात करते समय मंदिरों, धार्मिक स्थलों, परंपराओं और सांस्कृतिक प्रतीकों का उल्लेख किया जाता है। निस्संदेह इनका संरक्षण आवश्यक है। लेकिन क्या धर्म की रक्षा का दायरा केवल यहीं तक सीमित है? क्या भूखे को भोजन देना धर्म नहीं? क्या निराश्रित की सहायता करना धर्म नहीं? क्या बेटियों की सुरक्षा, महिलाओं का सम्मान और बुजुर्गों की सेवा धर्म नहीं? क्या भ्रष्टाचार, अन्याय, शोषण और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाना धर्म का दायित्व नहीं? यदि किसी समाज में धार्मिक आयोजन तो भव्य हों, लेकिन उसी समाज में गरीब की पीड़ा अनसुनी रह जाए, युवाओं को रोजगार के अवसर न मिलें, शिक्षा महंगी होती जाए और बुजुर्ग उपेक्षित जीवन जीने को विवश हों, तो उस समाज को अपनी प्राथमिकताओं पर विचार करना चाहिए। सनातन धर्म का संदेश केवल पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं है। उसमें सेवा, परोपकार, दया, सत्य, संयम और लोककल्याण की भावना समाहित है। इसलिए धार्मिक चेतना का विस्तार सामाजिक कल्याण तक होना चाहिए। जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता की आवश्यकताः भारतीय समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता और सांस्कृतिक एकता रही है। लेकिन जातिगत ऊँच-नीच, सामाजिक भेदभाव और आपसी वैमनस्य जैसी समस्याएँ समय-समय पर इस एकता को कमजोर करती रही हैं। सनातनी दायित्व का तकाजा है कि समाज को इन संकीर्णताओं से बाहर निकाला जाए। किसी व्यक्ति का सम्मान उसके कर्म, चरित्र, व्यवहार और मानवीय गुणों से निर्धारित होना चाहिए, न कि केवल उसकी जाति अथवा सामाजिक पृष्ठभूमि से। भगवान श्रीराम के जीवन में निषादराज के प्रति आत्मीयता, शबरी के प्रति स्नेह और विभिन्न समुदायों के प्रति सम्मान के प्रसंग सामाजिक समरसता की प्रेरणा देते हैं। श्रीकृष्ण का जीवन भी मित्रता, सहयोग और परिस्थितियों से ऊपर उठकर मानवीय संबंधों का महत्व समझाता है। यदि राघव-माधव के आदर्शों को स्वीकार करने वाला समाज आपसी भेदभाव से मुक्त होने का प्रयास करे, तो सनातन की गरिमा केवल भाषणों में नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार में भी दिखाई देगी। राजनीति से ऊपर उठकर धर्म और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारीः वर्तमान समय में धर्म और राजनीति का संबंध भी चर्चा का विषय बना रहता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और वैचारिक मान्यताओं के अनुसार विचार रखने का अधिकार है। राजनीतिक दल भी अपनी नीतियों और विचारों को जनता के सामने रखते हैं। लेकिन लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिकों के मूल प्रश्न चुनावी शोर में दब न जाएँ। जनता को केवल धार्मिक भावनाओं, जातिगत समीकरणों और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सुरक्षा, महंगाई, किसानों की स्थिति और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। धर्म के नाम पर जनभावनाओं का सम्मान होना चाहिए, लेकिन धर्म को सामाजिक समस्याओं से ध्यान हटाने का माध्यम नहीं बनने देना चाहिए। जनप्रतिनिधियों के लिए भी यही अपेक्षा है कि वे धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए संविधान, कानून, समान नागरिक अधिकारों और जनकल्याण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएँ। रामराज्य का नाम लेने से पहले राम के आदर्शों को समझना होगा। कृष्ण की नीति का उल्लेख करने से पहले उनके कर्मयोग को जीवन में उतारना होगा। क्योंकि आदर्शों का सम्मान केवल जयकारों से नहीं, बल्कि जिम्मेदार आचरण से होता है। नई पीढ़ी को सनातन संस्कारों से जोड़ना समय की आवश्यकताः आज का युवा डिजिटल युग में जी रहा है। उसके सामने आधुनिक शिक्षा, तकनीकी विकास, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और बदलती जीवनशैली की अनेक चुनौतियाँ हैं। ऐसे समय में उसे अपनी जड़ों से जोड़ना आवश्यक है, लेकिन इसका अर्थ उसे आधुनिक ज्ञान और प्रगति से दूर करना नहीं होना चाहिए। सनातन संस्कृति का उद्देश्य ज्ञान के द्वार बंद करना नहीं, बल्कि विवेक के साथ जीवन को आगे बढ़ाना है। युवा पीढ़ी को रामायण, महाभारत, गीता, उपनिषदों और भारतीय महापुरुषों के जीवन से परिचित कराने के साथ-साथ वैज्ञानिक सोच, सामाजिक जिम्मेदारी और संवैधानिक मूल्यों का भी ज्ञान देना चाहिए। धर्म के नाम पर केवल भावनात्मक उत्साह पैदा करना पर्याप्त नहीं है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि सच्चा धार्मिक व्यक्ति वही है, जो अपने माता-पिता का सम्मान करे, महिलाओं की गरिमा का ध्यान रखे, कमजोरों की सहायता करे, मेहनत और ईमानदारी को महत्व दे तथा राष्ट्र की संपत्ति और कानून का सम्मान करे। धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सद्भाव भी जरूरीः भारत अनेक धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं वाला देश है। इस विविधता में एकता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। हिंदुत्व की सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का अर्थ किसी दूसरे समुदाय के प्रति घृणा या अविश्वास पैदा करना नहीं होना चाहिए। अपनी परंपरा पर गर्व करने का अधिकार सभी को है, लेकिन यह गर्व दूसरों के सम्मान को कम करके नहीं, बल्कि अपने श्रेष्ठ आचरण से बढ़ना चाहिए। धर्म यदि मनुष्य को जोड़ता है, तो वह समाज की शक्ति बनता है। यदि उसके नाम पर वैमनस्य और हिंसा को बढ़ावा मिलता है, तो उसके मूल संदेश पर पुनर्विचार की आवश्यकता होती है। सनातन परंपरा में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना समस्त मानवता को एक परिवार के रूप में देखने की प्रेरणा देती है। यही विचार भारतीय संस्कृति को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है । मंदिरों की पवित्रता के साथ मन की पवित्रता भी आवश्यकः आज मंदिरों का निर्माण, धार्मिक स्थलों का विकास और तीर्थों की व्यवस्था सांस्कृतिक जीवन के महत्वपूर्ण विषय हैं। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि आस्था, संस्कार, सेवा और सामाजिक एकत्रीकरण के केंद्र भी हो सकते हैं। लेकिन मंदिरों में दीप प्रज्वलित करने के साथ अपने अंतर्मन में भी सद्भाव का दीप जलाना होगा। भगवान के सामने चढ़ावा चढ़ाने के साथ किसी जरूरतमंद की सहायता करने का संकल्प भी लेना होगा। धार्मिक यात्राओं के साथ अपने व्यवहार में विनम्रता और अनुशासन भी लाना होगा। सनातन का अर्थ केवल परंपराओं को दोहराना नहीं, बल्कि उन जीवन-मूल्यों को निरंतर जीवित रखना है, जो व्यक्ति और समाज दोनों को बेहतर बनाते हैं। सनातनी दायित्व में हिंदुत्व की वास्तविक पहचानः आज समय की मांग है कि हिंदुत्व को केवल चर्चा, प्रदर्शन और विवादों की सीमाओं में न बाँधा जाए। इसे शिक्षा, संस्कार, सेवा, सामाजिक न्याय, नारी सम्मान, पर्यावरण संरक्षण, पारिवारिक एकता और राष्ट्रहित के कार्यों से जोड़ा जाए। यदि कोई व्यक्ति धर्म के प्रति समर्पित है, तो उसके व्यवहार में सत्य दिखाई देना चाहिए। यदि वह सनातनी होने पर गर्व करता है, तो उसके आचरण में दया और परोपकार दिखाई देना चाहिए। यदि वह राघव-माधव का अनुयायी है, तो उसके ज

मीरा रोड के अमर पैलेस लॉज में कथित देह व्यापार का मामला, शंभू नामक वेटर की भूमिका पर उठे सवाल!

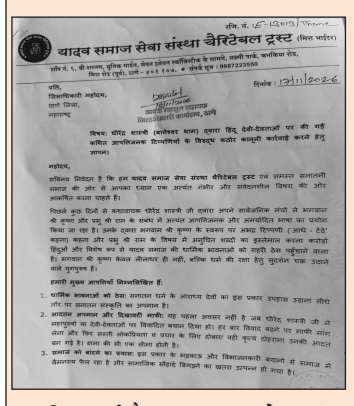
◆बांग्लादेशी युवतियों से देह व्यापार करवाने का आरोप; लॉज प्रबंधन और संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की जांच की मांग

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड के मीरा गांव स्थित अमर पैलेस लॉज में कथित तौर पर अवैध देह व्यापार संचालित किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। प्राप्त शिकायतों के अनुसार, लॉज के प्रबंधक और शंभू नामक वेटर पर बांग्लादेशी युवतियों को ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराने तथा उनसे देह व्यापार करवाने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में दावा किया गया है कि शंभू नामक वेटर के संपर्क में कई बांग्लादेशी युवतियां हैं। आरोप है कि लॉज प्रबंधन और उक्त वेटर ग्राहकों से कथित तौर पर 2,500 से 3,200 रुपये तक लेकर युवतियों को देह व्यापार के लिए उपलब्ध कराते हैं। यह भी आरोप लगाया गया है कि युवतियों से एक दिन में चार से पांच बार देह व्यापार करवाया जाता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि होना अभी बाकी है। पहले भी दर्ज हो चुके हैं पीटा कानून के तहत मामले शिकायतकर्ता के अनुसार, अमर पैलेस लॉज के खिलाफ पहले भी अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम यानी पीटा (ढक्कळअ) के तहत कार्रवाई हो चुकी है। इस संबंध



में काशीमीरा पुलिस स्टेशन में दर्ज दो पुराने मामलों का उल्लेख किया गया है। दर्ज मामलों का विवरणः 1.काशीमीरा पुलिस स्टेशन-अपराध क्रमांक 592/2018 भारतीय दंड संहिता की धारा 370(1), 34 पीटा कानून की धारा 3, 4 और 5। काशीमीरा पुलिस स्टेशन-अपराध क्रमांक 234/2022 भारतीय दंड संहिता की धारा 370, 34 पीटा कानून की धारा 3, 4 और 5 शिकायत में इन पुराने मामलों में कुछ आरोपियों के फरार होने का भी दावा किया गया है। इन मामलों की वर्तमान स्थिति और आरोपियों की स्थिति पुलिस रिकॉर्ड से स्पष्ट होना आवश्यक है। मनपा प्रशासन से भी जांच की मांग मामले में एक अन्य महत्वपूर्ण सवाल लॉज में बनाए गए कमरों को लेकर उठाया गया है। आरोप है कि अमर पैलेस लॉज में कुछ कमरे अवैध तरीके से बनाए गए हो सकते हैं। इस संबंध में मीरा-भायंदर महानगरपालिका के भवन निर्माण एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से मौके पर निरीक्षण कर निर्माण की वैधता, मंजूर नक्शे और आवश्यक अनुमतियों की जांच करने की मांग की गई है। पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग अब सवाल यह उठता है कि अमर पैलेस लॉज में लगाए जा रहे इन गंभीर आरोपों की जांच कब होगी? क्या पुलिस प्रशासन शंभू नामक वेटर और लॉज प्रबंधन की भूमिका की जांच करेगा? क्या पुराने मामलों की भी समीक्षा की जाएगी? साथ ही, यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई कब होगी? स्थानीय पुलिस प्रशासन से मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, संभावित पीड़ित युवतियों की पहचान और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार के मानव तस्करी या जबरन देह व्यापार की पुष्टि होने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

धीरेंद्र शास्त्री के कथित विवादित बयानों पर कार्रवाई की मांग, यादव समाज सेवा संस्था ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन



यादव समाज सेवा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट (मिरा भायंदर)

दिनांक : 13/11/2026

विषय: धीरेंद्र शास्त्री (बागेश्वर धाम) द्वारा हिंदू देवी-देवताओं पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने हेतु ज्ञापन।

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भगवान श्रीकृष्ण और प्रभु श्रीराम पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से नाराजगी, कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय जाने की चेतावनी। धीरेंद्र शास्त्री (बागेश्वर धाम) द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और प्रभु श्रीराम के संबंध में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर यादव समाज सेवा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट, मीरा-भाईंदर ने कड़ी आपत्ति जताई है।यादव समाज सेवा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष रंग बहादुर यादव, सदस्य सचिव चंद्रजीत यादव, फूलचंद यादव, राजेश यादव, आरबी यादव, सुरेंद्र यादव, विजय बहादुर यादव, अजय यादव संस्था की ओर से 18 नवंबर 2026 को ठाणे जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले में तत्काल संज्ञान लेने और उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि धीरेंद्र शास्त्री द्वारा पिछले कुछ दिनों से सार्वजनिक मंचों पर भगवान श्रीकृष्ण और प्रभु श्रीराम के संबंध में कथित तौर पर अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। विशेष रूप से भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप को लेकर की गई कथित 'आढे-टेढ़े' टिप्पणी और प्रभु श्रीराम के विषय में इस्तेमाल किए गए अनुचित शब्दों पर संस्था ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। संस्था का कहना है कि भगवान श्रीकृष्ण और प्रभु श्रीराम करोड़ों हिंदुओं की आस्था के केंद्र हैं। उनके प्रति इस प्रकार की कथित अपमानजनक टिप्पणियां धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली हैं। ज्ञापन में विशेष रूप से यादव समाज की धार्मिक आस्था और आराध्य देवता के सम्मान का मुद्दा उठाया गया है। बार-बार विवादित बयान देने पर उठाए सवाल ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि धीरेंद्र शास्त्री द्वारा पहले भी महापुरुषों और देवी-देवताओं के संबंध में विवादित बयान दिए गए हैं। संस्था ने विवाद बढ़ने पर माफी मांगने और उसके बाद फिर इसी तरह की बयानबाजी किए जाने की कथित प्रवृत्ति पर सवाल उठाए हैं। संस्था के अनुसार, इस प्रकार के बयानों से समाज में वैमनस्य फैलने और सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने का खतरा उत्पन्न हो सकता है। यादव समाज सेवा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष की ओर से जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच और कठोर कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि प्रशासन की ओर से शीघ्र और उचित कार्रवाई नहीं की जाती है, तो संस्था अपने आराध्य देवताओं के सम्मान और न्याय की मांग को लेकर माननीय न्यायालय की शरण लेने के लिए बाध्य होगी।

मनपा की संपत्तियों से अवैध कब्जों पर चलेगा विशेष अभियान, बाधा डालने वालों पर होगा मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी मनपा की सरकारी संपत्तियों को अवैध कब्जों और अनधिकृत इस्तेमाल से मुक्त कराने के लिए प्रशासन विशेष अभियान चलाएगा। मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने स्पष्ट किया है कि मनपा की संपत्तियों पर अवैध कब्जा, बिना अनुमति निजी इस्तेमाल अथवा उनके मूल सार्वजनिक उद्देश्य में बदलाव किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आयुक्त ने कहा कि मनपा की संपत्तियां नागरिकों की सुविधाओं और सार्वजनिक हित के लिए हैं। ऐसी संपत्तियों पर अवैध कब्जे और अनधिकृत इस्तेमाल के मामलों की जांच कर उन्हें मनपा के कब्जे में लिया जाएगा। इसके लिए जरूरत पड़ने पर संपत्तियों को सील करने और कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्रवाई के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धमकाने, धक्कामुक्की करने, भीड़ जुटाकर सरकारी काम में बाधा डालने या कार्रवाई का विरोध करने वालों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बंदोबस्त में कार्रवाई पूरी की जाएगी। आयुक्त ने अनधिकृत इस्तेमाल करने वालों से स्वयं ही कब्जा छोड़कर संपत्तियां मनपा को सौंपने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान में किसी भी प्रकार के राजनीतिक, सामाजिक या व्यक्तिगत दबाव को महत्व दिए बिना नियमानुसार निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी।

भिवंडी वासियों को एसआईआर में छूटे नाम जुड़वाने का 30 नवंबर तक समय सीमा बढ़ी

भिवंडी। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR-2026) के तहत प्रारूप मतदाता सूची में नाम शामिल नहीं हो पाने वाले मतदाताओं को एक और अवसर दिया गया है। इसके लिए भिवंडी मनपा के द्वारा मतदाताओं से निर्धारित समय सीमा में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। निर्वाचन विभाग के अनुसार, जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र (Enumeration Form) जारी किए गए थे, लेकिन अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा दोहरे नाम (ASDD) की श्रेणी में शामिल होने के कारण उनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो सके, उन्हें अब अंतिम मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का एक और मौका मिलेगा। जारी कार्यक्रम के अनुसार, गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संकलन 30 नवंबर 2026 तक किया जाएगा, जबकि प्राप्त गणना प्रपत्रों का निस्तारण 10 दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। इस संबंध में विशेष प्रक्रिया के लिए स्व. संपदा सीताराम नाईक मंगल भवन, भादवड़, भिवंडी में व्यवस्था की गई है। उक्त जानकारी मतदाता पंजीकरण अधिकारी अमित सानप द्वारा प्रेस विज्ञप्ति में दी गयी है।

विश्व मत्स्य दिवस पर विशेष मछली के चारे (फीड) की बेहतर गुणवत्ता तय करेगी भारतीय मत्स्य पालन का भविष्य: कैप्टन (डॉ.) ए.वाई. राजेंद्र

मुंबई/पटना। भारत के जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) क्षेत्र ने पिछले एक दशक में उल्लेखनीय प्रगति की है और यह खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आजीविका और देश की ब्लू इकोनॉमी (समुद्र और जल संसाधनों पर आधारित अर्थव्यवस्था) में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। चूँकि दुनिया आज विश्व मत्स्य दिवस मना रही है, ऐसे में इस क्षेत्र की प्रगति और इसके विकास के अगले चरण को आकार देने वाली प्राथमिकताओं पर विचार करने का यह एक उपयुक्त अवसर है। अब हमारा ध्यान मात्रा से हटकर गुणवत्ता की ओर केंद्रित होना चाहिए। भारत में मछली का उत्पादन वित्त वर्ष 2013-14 से वित्त वर्ष 2024-25 के बीच दोगुने से भी अधिक हो गया है। इस दौरान उत्पादन 95.79 लाख टन से बढ़कर 197.75 लाख टन तक पहुंच गया [1]। यह नीली क्रांति की सफलता को दर्शाता है। हालांकि, अब विकास का अगला चरण केवल उत्पादन की मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादकता बढ़ाने पर निर्भर करेगा। भारत के अंतर्देशीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए अधिक मात्रा में और बेहतर गुणवत्ता वाली मछली का उत्पादन करना होगा।

ज्ञान गंगोत्री काव्य मंच की साहित्य, मित्रता और खुशियों से सजी यादगार शाम



मुंबई (उत्तरशक्ति)। ज्ञान गंगोत्री काव्य मंच की संस्थापक एवं अध्यक्षा डॉ. मंजू मंगलप्रभात लोढ़ा के नेतृत्व में मंच का दीपावली स्नेह मिलन समारोह मुंबई के प्रसिद्ध क्रीम सेंटर, चौपाटी में बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने स्वादिष्ट व्यंजनों, हँसी-मजाक, मस्ती, खूबसूरत तस्वीरों और आपसी मेल-मिलाप के साथ यादगार पल बिताए। कविता, साहित्य और मित्रता के इस परिवार ने दीपावली की खुशियों को मिलकर और भी खास बना दिया। डॉ. मंजू मंगलप्रभात लोढ़ा एक सुप्रसिद्ध कवयित्री, साहित्यकार, लेखिका, प्रेरक वक्ता एवं समाजसेवी हैं। वे लोढ़ा फाउंडेशन की अध्यक्षा, राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्षा सहित अनेक सामाजिक और साहित्यिक संस्थाओं से जुड़ी हुई हैं।खक्हड साउथ मुंबई चैप्टर की अध्यक्षा , महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी की भूतपूर्व उपाध्यक्ष, सेंसर बोर्ड की सदस्य, वे लोढ़ा धाम एवं श्री हरि सत्संग की ट्रस्टी तथा चंद्रेश लोढ़ा पब्लिक स्कूल, डोंबिवली एवं नालासोपारा की अध्यक्षा भी हैं। लायंस क्लब ऑफ वालकेश्वर की प्रथम महिला अध्यक्ष के रूप में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है।

25 नवंबर को दहानू में होगा नागरी संरक्षण दल का मॉकड्रिल, तैयारियां तेज

स्वयंसेवकों को दिया जा रहा विशेष प्रशिक्षण, आपदा की स्थिति में जनहानि कम करने का होगा अभ्यास

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के दहानू शहर में आगामी 25 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले मॉकड्रिल कार्यक्रम को लेकर महाराष्ट्र शासन गृह विभाग अंतर्गत नागरी संरक्षण दल, जिला पालघर की ओर से दहानू शहर अंतर्गत जलाराम मंदिर के पास स्थित लायन क्लब ऑफ दहानू चिल्ड्रेंस पार्क में तैयारियां जोरशोर से की जा रही हैं। दहानू शहर में स्थित के.एल. पोंदा स्कूल एण्ड जूनियर कॉलेज में इस मॉकड्रिल का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस मॉकड्रिल के माध्यम से आपातकालीन परिस्थितियों और संभावित आपदाओं के दौरान बचाव एवं राहत कार्यों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया जायेगा। इसमें आम नागरिकों, छोटे-बड़े व्यापारियों, सामाजिक कार्यकताओं, खिलाड़ियों, बच्चों और राजनेताओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों की भूमिकाएं निभाने के लिए स्वयंसेवकों को तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही दुर्घटना अथवा आपदा की स्थिति में घायलों की संख्या और जनहानि को कम करने के लिए आवश्यक बचाव उपायों का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण नागरी संरक्षण दल के पालघर जिला उपनियंत्रक काशीनाथ आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने में विभागीय क्षेत्ररक्षक एवं दुर्घटना नियंत्रण अधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए नागरी संरक्षण दल की तत्परता को परखना, स्वयंसेवकों की कार्यक्षमता बढ़ाना तथा आम नागरिकों में आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना है। आयोजन को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

भिवंडी में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 2.06 करोड़ के एक्सपायरी खाद्य पदार्थ जब्त



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। एक्सपायरी खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग पर तारीख और कीमत बदलकर उन्हें दोबारा बाजार में बेचने के मामले का पदार्फाश करते हुए ठाणे खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने भिवंडी तालुका के अर्जुनली स्थित एक गोदाम पर छापेमारी की। दो दिनों तक चली इस कार्रवाई में करीब 2 करोड़ 6 लाख 21 हजार रुपये के एक्सपायरी खाद्य पदार्थ जब्त किए गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त योगेश ढाणे को मिली गोपनीय जानकारी के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी के. वाय. चिपलूणकर और ए. वी. कांडेलकर ने संयुक्त आयुक्त (खाद्य) डॉ. सचिन जाधव के मार्गदर्शन में बुधवार (18 नवंबर) को पडघा के निकट अर्जुनली स्थित डीएक्सपी वेंचर्स इंडिया प्रा. लि. के गोदाम पर छापा मारा। जांच के दौरान स्पार्कलिंग वॉटर, एनर्जी ड्रिंक, सऊदी कॉकटेल, सोडा, प्रीमियम सोडा वॉटर, जिंजर सोडा और ए-2 बिलोना देसी घी सहित कुल 14 प्रकार के एक्सपायरी खाद्य पदार्थ मिले। जांच में सामने आया कि खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग पर उत्पादन तिथि, एक्सपायरी डेट और अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में फेरबदल करने के लिए थिनर नामक रासायनिक पदार्थ का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसके अलावा तारीख और कीमत दोबारा छापने के लिए स्टैम्पिंग मशीनें भी बरामद की गईं। प्राथमिक जांच में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन सामने आने के बाद 19 नवंबर को संबंधित कंपनी का खाद्य व्यवसाय लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। जांच पूरी होने तक निलंबन की कार्रवाई जारी रहेगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सत्ता की भूख के चलते भारत की बदनामी मत कीजिए!



डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भारत की वैश्विक स्थिति पर सवाल उठाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक रविंद्र चव्हाण ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने दो अंतरराष्ट्रीय तस्वीरों के माध्यम से '2014 से पहले का भारत' और '2014 के बाद का भारत' के बीच का अंतर स्पष्ट करते हुए राहुल गांधी की आलोचना का जोरदार जवाब दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की एक साथ खिंची गई तस्वीर के आधार पर राहुल गांधी ने भारत की वैश्विक भूमिका पर सवाल उठाए थे। इसके जवाब में रविंद्र चव्हाण ने 2011 में फ्रांस में आयोजित G20 शिखर सम्मेलन की एक तस्वीर साझा की, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह पिछली पंक्ति में खड़े दिखाई दे रहे हैं। वहीं, उन्होंने 2024 में रियो डी जेनेरियो में आयोजित G20 शिखर सम्मेलन की तस्वीर भी साझा की, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रमुख स्थान पर नजर आ रहे हैं। '2014 से पहले का भारत' और '2014 के बाद का भारत' शीर्षक देकर उन्होंने मोदीजी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक छवि में आए बदलाव को रेखांकित किया है। 'दूध का दूध, पानी का पानी' कहते हुए रविंद्र चव्हाण ने राहुल गांधी की आलोचना और वास्तविकता के बीच के अंतर को उजागर किया।

ठाणे जिले में 32 जगहों पर सांसद क्रीड़ा संग्राम, करोड़ों के खर्च को लेकर उठने लगे सवाल

सूखाग्रस्त किसानों की मदद को लेकर चर्चा तेज



ठाणे (उत्तरशक्ति)। ठाणे जिले में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जा रहे सांसद क्रीड़ा संग्राम को लेकर अब खर्च और प्राथमिकताओं पर चर्चा तेज होने लगी है। जिले में करीब 32 जगहों पर सांसद क्रीड़ा संग्राम के आयोजन की तैयारी और कार्यक्रमों पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने की चर्चा के बीच लोगों के एक वर्ग में सवाल उठने लगे हैं, क्या इतनी बड़ी राशि का कुछ हिस्सा सूखाग्रस्त क्षेत्रों के किसानों और प्रभावित परिवारों की मदद के लिए इस्तेमाल किया जा सकता था?

सांसद क्रीड़ा संग्राम के माध्यम से युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना, उनकी प्रतिभा को मंच देना और खेल संस्कृति को बढ़ावा देना निश्चित रूप से एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के जरिए युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और खेलों के प्रति उत्साह भी बढ़ता है।

हालांकि, राज्य के कई जिलों में सूखे, खेती से जुड़ी समस्याओं और आर्थिक संकट से जूझ रहे लोगों की स्थिति को देखते हुए आयोजन पर होने वाले खर्च को लेकर सामाजिक स्तर पर चर्चा शुरू हो गई है। लोगों के बीच यह सवाल उठाया जा रहा है कि जब सूखाग्रस्त परिवारों को राहत की जरूरत है, तब बड़े स्तर पर खेल आयोजनों के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने की प्राथमिकता कितनी उचित है? राजनीतिक कुछ जानकार लोगों का मानना है कि खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ-साथ जरूरतमंद किसानों, ग्रामीण परिवारों और संकटग्रस्त लोगों के लिए भी विशेष राहत अभियान चलाया जा सकता था। अब सांसद क्रीड़ा संग्राम को लेकर जिले में आयोजन, खर्च, सामाजिक जिम्मेदारी और जनहित के बीच संतुलन को लेकर चर्चा जोर पकड़ती नजर आ रही है। हालांकि, आयोजन पर होने वाले वास्तविक खर्च का आधिकारिक आंकड़ा सामने आने के बाद ही इस खर्च की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

बाइक टैक्सी पर सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का रैपिडो ने किया स्वागत

मुंबई/नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े और सबसे किफायती वन-स्टॉप मोबिलिटी प्लेटफॉर्म, रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (रैपिडो) ने आज कर्नाटक बाइक टैक्सी मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और इसे भारत में बाइक टैक्सी श्रेणी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। यह फैसला उस श्रेणी के लिए एक बड़ा कदम है, जो लाखों यात्रियों और कैप्टनों को सेवा देती है। साथ ही, इससे राज्यों को स्पष्ट और व्यावहारिक बाइक टैक्सी नीतियां बनाने के लिए एक मजबूत आधार भी मिलेगा। बाइक टैक्सी मामले में कर्नाटक राज्य द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

यह फैसला भारत में बाइक टैक्सी श्रेणी के लिए एक अहम पड़ाव है। पिछले कई वर्षों में इस श्रेणी को खड़ा करने में रैपिडो ने अग्रणी भूमिका निभाई है। बाइक टैक्सी कम दूरी के सफर और फर्स्ट- व लास्ट-माइल यात्रा के लिए एक अहम विकल्प बनकर उभरी है। साथ ही, इससे लाखों कैप्टनों के लिए कमाई के लचीले अवसर पैदा हुए हैं और देशभर के यात्रियों को आवाजाही के ज्यादा विकल्प मिले हैं। रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटुपल्ली ने कहा, हम माननीय सुप्रीम कोर्ट के आज के फैसले का स्वागत करते हैं। इससे कर्नाटक में बाइक टैक्सी श्रेणी को लेकर जरूरी स्पष्टता आई है और यह भारत में इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। पिछले कुछ वर्षों में बाइक टैक्सी ने अपनी उपयोगिता साबित की है। इसने यात्रियों को भीड़भाड़ वाले शहरों में आसानी से आने-जाने में मदद की है, फर्स्ट- और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को मजबूत किया है और कैप्टनों के लिए कमाई के लचीले अवसर पैदा किए हैं। यह फैसला जमीनी स्तर पर इस श्रेणी की मौजूदा भूमिका को मान्यता देता है और मोबिलिटी इकोसिस्टम में इसके निरंतर विकास और एकीकरण के लिए एक मजबूत आधार देता है।

उन्होंने आगे कहा, रैपिडो के लिए यह सिर्फ.एक कानूनी नतीजा नहीं है। यह उस बात की पुष्टि है, जिस पर हम हमेशा से विश्वास करते आए हैं: भारत को ऐसे मोबिलिटी समाधानों की जरूरत है, जो लोगों के असल सफर के तरीके को ध्यान में रखकर बनाए गए हों। दोपहिया वाहन देश में सबसे ज्यादा लोगों के पास मौजूद और सबसे सुलभ परिवहन साधनों में से हैं। लोगों को इनका उत्पादक इस्तेमाल करने में सक्षम बनाकर यात्रियों, कैप्टनों और शहरों, सभी के लिए सार्थक मूल्य पैदा किया जा सकता है। हम इस श्रेणी को अगले चरण में ले जाने के लिए कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं, जहां यह सुरक्षित, ज़िम्मेदार, रेगुलेटेड और बड़े पैमाने पर संचालित हो।

बाइक टैक्सी भारत के शहरी परिवहन इकोसिस्टम में एक अलग परत के रूप में उभरी है, खासकर अकेले कम दूरी के सफर और फर्स्ट- व लास्ट-माइल कनेक्टिविटी के लिए। बेंगलुरु जैसे शहरों में, जहां यात्रियों को ट्रैफि क जाम, बढ़ते मेट्रो नेटवर्क और दूर-दूर फैले रोजगार केंद्रों के बीच सफर करना पड़ता है, बाइक टैक्सी बसों, मेट्रो, ऑटो और कैब से मुकाबला करने के बजाय उनकी पूरक बन सकती है। कैप्टनों के लिए भी यह मॉडल मोबिलिटी अर्थव्यवस्था में शामिल होने की राह आसान बनाता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बिहार बारात जा रही अनियंत्रित कार पलटी, तीन बारातियों की मौत

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। बक्सर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के सोनपा गांव के समीप चौसा-मोहनिया हाईवे पर गुरुवार की रात करीब 8 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा एक आई-20 कार और बाइक के बीच हुई जोरदार टक्कर के बाद हुआ। जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त कार में पांच लोग सवार थे, जबकि बाइक पर तीन युवक सवार थे। हादसे में कार सवार तीन युवकों और बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, कार और बाइक पर सवार चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। काफी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए। सूचना मिलने पर राजपुर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल रेफर किया गया। वहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें पटना और बनारस भेजे जाने की जानकारी मिली है।

बताया जाता है कि कार में सवार सभी लोग उत्तर प्रदेश के गहमर के समीप स्थित भतौरा गांव के रहने वाले थे। वे एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मोहनिया जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज रफ्तार कार ने गांव के रास्ते से निकलकर हाईवे पर पहुंच रहे बाइक सवार तीन युवकों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा जिससे वह सड़क किनारे गहरी खाई में पलट गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार कई बार पलटी, जिससे वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, बाइक सवार तीन युवकों में एक की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार सवार मृतकों की पहचान भतौरा गांव निवासी कलामुद्दीन का 25 वर्षीय पुत्र इरफान, संतोष ठाकुर का 30 वर्षीय पुत्र बादल और स्व सोबन अली का 20 वर्षीय पुत्र अरबाज के रूप में हुई है। वहीं, बाइक सवार मृतक की पहचान सोनपा गांव निवासी राजनिधि प्रसाद के 22 वर्षीय पुत्र अरुण कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। परिजनों के पहुंचने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

कबड्डी में पूर्वांचल और आजमगढ़ विश्वविद्यालय ने दर्ज की शानदार जीत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता 2026-27 के तहत शुक्रवार को विभिन्न विश्वविद्यालयों की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, दमदार प्रदर्शन और बेहतर टीम समन्वय का परिचय देते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। कई मुकाबलों में टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, तो कुछ मैचों में विजेता टीमों ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की। अंतिम आठ में जगह बनाने वाली टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल मैच हुए।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मेजबान वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम का सामना पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से हुआ। रोमांचक मुकाबले में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने 44-22 अंकों से जीत दर्ज की।

दुसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय को 48-18 अंकों के बड़े अंतर से पराजित किया। इस जीत के साथ ही पूर्वांचल और आजमगढ़ विश्वविद्यालय की

अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिए किया क्वालीफाई

टीम ने अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया। पूरे मुकाबले में टीम का प्रदर्शन दमदार रहा।

तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला एल.एन. मिथिला विश्वविद्यालय और डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के बीच और चौथा क्वार्टर किट विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के बीच खेल जारी रहा ।

प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में एसजी गुरु विश्वविद्यालय ने 55-33 अंकों से बीएनएम विश्वविद्यालय को पराजित किया। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आरआईएस



विश्वविद्यालय को 42-27 से शिकस्त दी। एसएमके विश्वविद्यालय और नॉर्थ लखीमपुर विश्वविद्यालय के बीच हुए मुकाबले में एसएमके विश्वविद्यालय ने 61-24 से जीत हासिल की।

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने एसएमपी विश्वविद्यालय के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाते हुए 47-25 से मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान के विरुद्ध मिथिला विश्वविद्यालय की टीम ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए 42-11 से शानदार जीत दर्ज की।

अन्य मुकाबलों में वीकेएसयू आरा ने सीसीएसबी गया विश्वविद्यालय को 36-6 से हराया। किट विश्वविद्यालय ने एचसीवाई विश्वविद्यालय को 32-17 से पराजित किया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने एफएम विश्वविद्यालय के खिलाफ 56-13 से बड़ी जीत दर्ज की। वहीं, मिथिला विश्वविद्यालय ने एक अन्य मुकाबले में वीकेएस विश्वविद्यालय को 57-28 से शिकस्त दी।

प्रतियोगिता के दूसरे दौर में भी खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय ने संघर्षपूर्ण मैच में एसजी गुरु विश्वविद्यालय को 30-27 से हराया। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और एसएमके विश्वविद्यालय के बीच बेहद करीबी मुकाबला हुआ, जिसमें रविशंकर विश्वविद्यालय ने 22-20 से जीत हासिल की। वहीं, किट विश्वविद्यालय ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को 44-25 से पराजित कर अगले दौर में अपनी स्थिति मजबूत की।

इस अवसर पर प्रो. प्रमोद यादव, डॉ. शेखर सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. प्रशांत राय, रजनीश सिंह, राजेश सिंह समेत ताम लोग उपस्थित रहे।

कुलपति ने सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध जौनपुर एवं गाजीपुर जनपद के महाविद्यालयों में आयोजित परीक्षाओं की निगरानी



विश्वविद्यालय परिसर स्थित सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष से की जा रही है। शुक्रवार को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह के साथ सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से महाविद्यालयों में संचालित परीक्षाओं का अवलोकन किया और परीक्षा व्यवस्था की जानकारी ली।

दोनों जनपदों में कुल 380 परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की गई है। परीक्षाएं तीन पालियों में आयोजित की जा रही हैं। प्रथम पाली में बीएससी प्रथम सेमेस्टर के हेल्थ केयर मैनेजमेंट तथा एमए म्यूजिक प्रथम सेमेस्टर के तबला एवं गायन विषय की परीक्षाएं संपन्न हुईं। द्वितीय पाली में बीए तृतीय सेमेस्टर के अंग्रेजी विषय की परीक्षा 278 केंद्रों पर आयोजित की गई। वहीं, तृतीय पाली में बीए पंचम सेमेस्टर के संस्कृत एवं म्यूजिक (वाद्य एवं गायन), बीएससी पंचम सेमेस्टर के माइक्रोबायोलॉजी तथा एमकॉम के कॉमर्स विषय की परीक्षाएं आयोजित की गई हैं।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने नियंत्रण कक्ष में उपलब्ध निगरानी व्यवस्था का जायजा लेते हुए परीक्षा की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शुचिता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की सतत निगरानी परीक्षा व्यवस्था को सुचारु और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ।सीसीटीवी निगरानी समिति के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव, नियंत्रण कक्ष प्रभारी करुणा निराला एवं उनकी टीम द्वारा निगरानी व्यवस्था का संचालन किया जा रहा है।

परीक्षाओं को शुचितापूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए केन्द्राध्यक्षों हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार, परीक्षा की निगरानी पूरी तरह वॉयस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरों के जरिए की जाएगी, जिसकी रिकॉर्डिंग कम से कम 60 दिनों तक सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। प्रत्येक कक्ष में न्यूनतम दो कैमरे लगेंगे और प्रश्नपत्र भी कैमरों की निगरानी में केन्द्राध्यक्ष व दो कक्ष निरीक्षकों के हस्ताक्षर के बाद ही खोले जाएंगे।

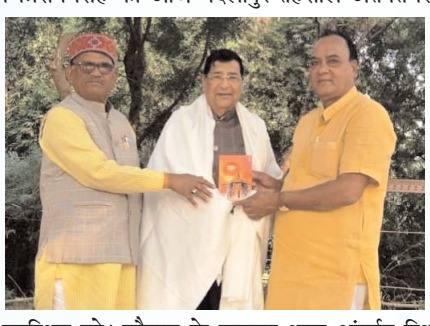
भ्रष्टाचार और राष्ट्रीय राजमार्ग घोटाले के खिलाफ 1929वें दिन भी जारी रहा सत्याग्रह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में कथित घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में यशवंत कुमार गुप्त के नेतृत्व में चल रहा सत्याग्रह आंदोलन शुक्रवार को 1929वें दिन भी जारी रहा। 9 अगस्त 2021 से चल रहे इस आंदोलन के माध्यम से भूमि अधिग्रहण में कथित अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मुद्दा उठाया जा रहा है। सत्याग्रहियों ने सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई डकैती के अभियुक्तों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर रामनगीना यादव, राम बहाल यादव, नंदलाल रावत, सजन यादव, उदय प्रताप सिंह, डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह, विजय प्रकाश मिश्र, विजय प्रताप सिंह, अमरेश कुमार पांडेय, बसंत लाल मौर्य और नरेंद्र गिरि सहित दर्जनों समर्थक मौजूद रहे। सभी ने आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए मांगों के शीघ्र निस्तारण की आवाज उठाई।



मुंबई के उद्योगपति और समाजसेवी चित्रसेन सिंह का जौनपुर में सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंबई के प्रख्यात समाजसेवी, उद्योगपति तथा सांस्कृतिक और सामाजिक संस्था तरुण कला संगम के संस्थापक अध्यक्ष चित्रसेन सिंह का आज बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित महमदपुर गुलरा गांव में वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने उनका सम्मान किया। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षक परिषद, उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। जौनपुर के खुटहन थाना अंतर्गत स्थित तिरकौलिया गांव निवासी चित्रसेन सिंह भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भी हैं। तरुण कला संगम के माध्यम से वे देश के मूर्धन्य पत्रकारों, साहित्यकारों, समाजसेवियों और फिल्म जगत से जुड़े नामचीन लोगों का सम्मान करते आ रहे हैं।



निवर्तमान कोतवाल विश्वनाथ प्रताप सिंह को दी गई भावभीनी विदाई

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। कस्बा चौकी दुद्धी परिसर में निवर्तमान कोतवाल विश्वनाथ प्रताप सिंह का भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों एवं



गणमान्य लोगों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए फूल-मालाओं से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन कस्बा प्रभारी संजय सिंह ने किया। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक विनय प्रभाकर साहनी, नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन, भाजपा मंडल अध्यक्ष दीपक शाह, निवर्तमान सभासद दिलीप पांडेय, नगर पंचायत दुद्धी के सभासद सुमित, मोनू सिंह, पीयूष कसेरा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा महिला थाना प्रभारी संतु सरोज, उपनिरीक्षक हरिकेश आजाद, दीवान लक्ष्मण सिंह, महिला पुलिसकर्मियों एवं चौकी के पुलिस जवानों ने भी निवर्तमान कोतवाल को सम्मानित कर विदाई दी। समारोह में सभी ने उनके कार्यकाल को याद करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

देवउठनी एकादशी पर किसानों ने गन्ने का पूजन किया

महराजगंज ब्लॉक के गांवों में भगवान विष्णु की पूजा, अच्छी फसल और सुख-समृद्धि की कामना

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज ब्लॉक के कई गांवों में देवउठनी एकादशी पर किसानों ने गन्ने का पूजन किया। ग्रामीणों ने भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना कर अच्छी फसल और सुख-समृद्धि की कामना की। यह पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार महीने की



योगनिद्रा से जागते हैं ।घर के बड़े-बुजुर्गों ने दिनभर व्रत रखा। लोगों ने हवन और दूसरे धार्मिक अनुष्ठान कर परिवार की सुख-समृद्धि और खेती-किसानी की खुशहाली की कामना की ।ग्रामीण परंपरा के अनुसार, किसान खेत से गन्ना लाकर उसका पूजन करते हैं और मंदिरों में भी गन्ना चढ़ाते हैं। इसके जरिए वे अच्छी फसल, सालभर खेती की सुरक्षा और अन्न-धन की समृद्धि की कामना करते हैं। महराजगंज क्षेत्र के नाहरपुर गांव में भी लोगों ने गन्ने का पूजन किया। ग्रामीणों ने पीढ़ियों से चली आ रही इस परंपरा को निभाया।

बाइक सवार को बचाने में ट्रक और कार की आमने-सामने भिड़ंत, सात गंभीर घायल

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर-रायबरेली हाईवे पर पवारा थाना क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा के समीप गुरुवार की रात करीब साढ़े सात बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। बाइक सवार को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में एक ही परिवार के छह सदस्यों समेत सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। घायलों में छह की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

एक ही परिवार के छह लोग हादसे का शिकार, कार के उड़े परखच्चे, हाईवे पर मची चीख-पुकार

जानकारी के अनुसार आजमगढ़ जनपद निवासी नूर आलम (60) पुत्र फिरोज अपनी पत्नी तनवीर बानो (58), पुत्र मुसाफिर (21), पुत्रियों सबनूर (24) व नादिया (20) तथा अली (23) पुत्र मोहम्मद शाहिद के साथ कार से आजमगढ़ स्थित अपने घर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार पवारा थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास पहुंची, तभी आगे चल रहे बाइक सवार को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से जा भिड़ी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की चपेट में आने से करीब 23 वर्षीय अज्ञात बाइक सवार युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पवारा थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी सात घायलों को एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने नूर आलम, तनवीर बानो, सबनूर, मुसाफिर, अली और अज्ञात बाइक सवार युवक की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं नादिया का उपचार सीएचसी में जारी है। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

गंगापुर परिसर में अनियमितताओं के विरोध में विद्यार्थी परिषद का अनिश्चितकालीन प्रदर्शन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गंगापुर इकाई ने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अनियमितताओं के विरोध में गुरुवार से अनिश्चितकालीन प्रदर्शन शुरू किया। विभाग संयोजक राजमंगल सिंह ने कहा कि मांगें पूरी होने तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

मांगों में संकाय स्थानांतरण पर जवाबदेही, 2021 बैच से वर्तमान बैच तक पात्र विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना का लाभ, कृषि संकाय में स्थायी नियुक्ति, शोध प्रबंध में कृषि अनुसंधान परिषद के मानकों का पालन, परीक्षा परिणामों की त्रुटियों का सुधार, महिला छात्रावास ध्वस्त करने पर जवाबदेही, बालक छात्रावास आवंटन, फील्ड-व-प्रयोगशाला की कमी दूर करना, ललित कला 2020 बैच का लंबित परिणाम, वाहन पार्किंग समाधान व वाटर कूलर व्यवस्था शामिल है। उन्होंने कहा कि छात्रहित में समस्याओं का निराकरण किया जाए। विद्यार्थियों की अनदेखी स्वीकार नहीं होगी।

धरना प्रदर्शन में हर्ष सिंह, शिवम पांडे, आकृति, रजनीश तिवारी, विवेक, रजत, सतीश, सोनम, अनीशा, चंद्रभूषण, प्रतीक, आकाश, मुस्कान समीरा समेत सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



श्रद्धा, सम्मान और सांस्कृतिक गौरव के साथ मनाई गई महाराज डॉ.विभूति नारायण सिंह जी की जन्म शताब्दी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में काशी की गौरवशाली परंपरा के पूर्व काशीनरेश महाराज डॉ. विभूति नारायण सिंह की जन्म शताब्दी पर



सर्वभारतीय काशीराज न्यास एवं महाराज काशीराज धर्मार्थ निधि, दुर्ग रामनगर के तत्वावधान में शुक्रवार को महाराज बलवंत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गंगापुर में भव्य एवं गरिमामय समारोह हुआ। समारोह में महाराज के प्रति श्रद्धा तथा उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता का भाव दिखा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके बाद गणेश वंदना, वैदिक मंगलाचरण एवं सरस्वती वंदना ने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। तत्पश्चात महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलन किया गया। सचिव प्रोफेसर धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि महाराज का जीवन शिक्षा, संस्कृति, धर्म और समरसता के प्रति समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। वे काशी की सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षक थे। विद्वानों ने महाराज से जुड़े संस्मरण साझा किए तथा उनके व्यक्तित्व पर विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि महाराज के आदर्श आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा हैं। उनके व्यक्तित्व में परंपरा और आधुनिकता का समन्वय था। अध्यक्षता महाराज डॉ. अनंत नारायण सिंह ने की। उन्होंने कहा कि जन्म शताब्दी केवल स्मरण नहीं, बल्कि विचारों और आदर्शों को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प है। इस अवसर पर व्योमेश शुक्ल, प्रोफेसर पीवी सिंह, प्रोफेसर हरिकेश सिंह, सुरजीत सिंह डंग, प्रोफेसर तेनजिन नोरबू, प्रोफेसर बिहारी लाल शर्मा, प्रोफेसर आनंद कुमार त्यागी सहित बाबू धर्मनी प्रसाद नारायण सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मान किया गया। मंच संचालन प्रोफेसर सतीश कुमार राय ने किया। प्राचार्य प्रोफेसर पुरुषोत्तम सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समारोह में एमएलसी धर्मेंद्र सिंह,प्राचार्य अनिल प्रताप सिंह सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। यह समारोह काशी की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और महाराज के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में सार्थक पहल सिद्ध हुआ।

तीसरी अंतरराष्ट्रीय ओपन कराटे चैंपियनशिप के 16 खिलाड़ी हुए रवाना

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के के.डी.स्पोर्ट कराटे अकादमी के संस्थापक व कोच सेंसाई सोनू यादव के मार्गदर्शन में 16 खिलाड़ी कानपुर के द स्पोर्ट्स हब इंडोर स्टेडियम में 21व 22 नवंबर को आयोजित होने वाली तीसरी अंतरराष्ट्रीय ओपन कराटे चैंपियनशिप के महामुकाबले में भाग लेने के लिए शुक्रवार को रवाना हो गए।रवाना होने से पहले मौजूद लोगों ने खिलाड़ियों को विजय तिलक लगाकर प्रतियोगिता में अपने हुनर का दमखम दिखाकर मेंडल जीत घर वापसी की अग्रिम बधाई दी। इस बाबत अकादमी के संस्थापक सोनू यादव ने सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विश्वास जताते हुए कहा कि बच्चों ने इस चैंपियनशिप के लिए कड़ी मेहनत की है और वे निश्चित रूप से पदक जीतकर जौनपुर का मान बढ़ाएंगे। इस अवसर पर उमेश कुमार, विजय सिंह, माधुरी वर्मा,डॉ राजेश कुमार पासवान,राजू यादव व सुग्रीम गिरी के साथ तमाम लोग मौजूद रहे।



प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी

प्रतियोगिता के महामुकाबले में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों में शालिनी मौर्या, भरत यादव, सोनाली यादव, शीलू पासवान, सुमित पासवान, अंश यादव, उत्कर्ष यादव, कृष सेठ, अंशिका बेनवंशी, अनुष्का बेनवंशी, गीतिका बेनवंशी, अदिति सिंह गौतम, पायल चौहान, आंचल चौहान, प्रिंस गिरी, शिवा यादव के साथ टीम एंट्री फॉर्म के दूसरे पृष्ठ पर 16वें खिलाड़ी के रूप में शिवा यादव शामिल है।

ग्राम रोजगार सेवक करेंगे विशेष रोजगार सृजन सप्ताह का बहिष्कार, 3 दिसंबर को लखनऊ में प्रदर्शन

दिलशाद अहमद सानू

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम रोजगार सेवकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। ग्राम रोजगार सेवक संघ, विकासखंड महाराजगंज के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर विशेष रोजगार सृजन सप्ताह का पूर्ण रूप से बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। साथ ही मांगों का समाधान नहीं होने पर आगामी 3 दिसंबर को लखनऊ में प्रदेशव्यापी धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।



इस संबंध में ग्राम रोजगार सेवक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र ने खंड विकास अधिकारी महाराजगंज को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया है। ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम रोजगार सेवक पिछले लगभग 20 वर्षों से मनरेगा योजना के सफल संचालन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें समय से मानदेय का भुगतान नहीं हो रहा है। लंबित बकाया मानदेय और सेवा सुरक्षा जैसी समस्याओं से भी कर्मचारियों को जूझना पड़ रहा है।

संघ ने प्रमुख रूप से तीन मांगें उठाई हैं। इनमें ग्राम रोजगार सेवकों के मानदेय का नियमित एवं समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करना, लंबे समय से लंबित बकाया मानदेय और ईपीएफ का अविलंब भुगतान कराना तथा सेवा सुरक्षा प्रदान करते हुए सम्मानजनक मानदेय सुनिश्चित करना शामिल है। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि प्रदेश नेतृत्व के निर्णय के अनुसार विकासखंड महाराजगंज के समस्त ग्राम रोजगार सेवक अपनी मांगें पूरी होने तक विशेष रोजगार सृजन सप्ताह का पूर्ण रूप से बहिष्कार करेंगे। शासन की ओर से मांगों के निराकरण के लिए सकारात्मक पहल नहीं किए जाने पर 3 दिसंबर को लखनऊ में प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

हरहुआ चौराहे से तीन किलोमीटर तक लगा लंबा जाम, फंसे लोग

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के हरहुआ। बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ चौराहे पर शुक्रवार को लगा तीन किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। चौराहे के चारों तरफ वाहनों की कतारें लगने से राहगीरों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। जाम में कई बाराती भी फंसे रहे। आरोप है कि सूचना देने के बावजूद पुलिस काफी देर तक मौके पर नहीं पहुंची। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। आये दिन लगता है लंबा जाम स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए चौराहे पर नियमित पुलिस तैनाती और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की।



महिला सुरक्षा और संपत्ति अधिकारों को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष ने की समीक्षा बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में महिला सुरक्षा, उत्पीड़न की शिकायतों, संपत्ति अधिकारों और महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्ष ने कहा कि पति द्वारा छोड़ी गई महिलाओं और भरण-पोषण से वंचित महिलाओं की शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ निस्तारण किया जाए। ऐसी महिलाओं और उनके बच्चों को सरकारी योजनाओं, विधिक सहायता एवं अन्य सुविधाओं से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने महिला किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), फसल बीमा एवं अन्य कृषि योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जागरूकता शिविर आयोजित करने पर जोर दिया। साथ ही बीसी सखी के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की बात कही।



बैठक में विभागीय आंकड़ों और प्रस्तुत रिपोर्ट पर असंतोष जताते हुए उन्होंने सभी विभागों को आयोग के निर्धारित प्रारूप में अद्यतन एवं विस्तृत रिपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

महिलाओं की भूमि एवं संपत्ति पर अवैध कब्जे और विवादों के मामलों को गंभीरता से लेते हुए अध्यक्ष ने थाना एवं तहसील स्तर पर पुलिस-प्रशासन के संयुक्त समाधान शिविर आयोजित करने को कहा। उन्होंने घरेलू हिंसा और महिला उत्पीड़न के मामलों में समयबद्ध कार्रवाई करने तथा बीट पुलिसिंग और यूपी-112 के माध्यम से महिलाओं को सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने पर भी बल दिया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और एसएसपी डॉ. यशवीर सिंह ने आश्वस्त किया कि महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र महिलाओं तक पारदर्शी ढंग से पहुंचाया जाएगा। कन्या सुमंगला एवं जननी सुरक्षा योजना सहित विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागीय समन्वय मजबूत किया जाएगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह, परियोजना निदेशक केके पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तनाव को हराकर सकारात्मक सोच से संवारे जीवन, बच्चों को सिखाए सफलता के सूत्र

अमेठी। भादर विकासखंड के पीपरपुर स्थित आसलदेव इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक विकास को लेकर विशेष प्रेरक सत्र का आयोजन किया गया। इसमें महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा हिन्दी साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत दार्शनिक चिंतक एवं प्रेरक वक्ता डॉ. रमाकांत तिवारी क्षितिज ने विद्यार्थियों को तनाव, चिंता और नकारात्मक विचारों से दूर रहकर जीवन में सफलता प्राप्त करने के महत्वपूर्ण सूत्र बताए। डॉ. क्षितिज ने कहा कि जीवन में कठिनाइयां आना स्वाभाविक है, लेकिन उनसे घबराने के बजाय सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ उनका सामना करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव और अवसाद से बचने तथा आत्महत्या जैसे आत्मघाती विचारों से दूर रहने के लिए अपनी समस्याएं समय रहते परिवार, शिक्षकों और विश्वसनीय लोगों से साझा करने की प्रेरणा दी।



विशेष सत्र में उन्होंने शरीर के सात चक्रों की अवधारणा से परिचित कराते हुए विद्यार्थियों को योगाभ्यास भी कराया। साथ ही शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य और जीवन में उसके व्यावहारिक उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर व्यक्तित्व निर्माण और जीवन की चुनौतियों से मुकाबला करने की शक्ति भी है। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवभूषण उपाध्याय, प्रधानाचार्य लाल सिंह, विद्यालय के शिक्षकगण, रणबहादुर सिंह, सुरेन्द्र बहादुर सिंह, अवधेश कुमार सिंह,प्रदीप कुमार, डॉक्टर बृजेश सिंह,रामबहादुरसिंह एवं श्रीकांत तिवारी एवं रोहित तिवारी का विशेष सहयोग रहा। छात्र-छात्राओं ने भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। यह विशेष सत्र विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, मानसिक मजबूती और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

26 साल पुराने जमीन विवाद से परेशान फरियादी ने डीएम कार्यालय के सामने किया आत्मदाह का प्रयास, सुरक्षा कर्मियों ने बचाई जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करीब 26 वर्षों से जमीन विवाद में न्याय की आस लगाए एक फरियादी ने जिलाधिकारी कार्यालय के सामने आत्मदाह का प्रयास किया। खुद पर डीजल डालकर आत्मदाह की कोशिश किए जाने से मौके पर हड़कंप मच गया। हालांकि, वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों की मुस्तैदी से बड़ी घटना टल गई और फरियादी की जान बचा ली गई। मामला सदर तहसील के राजेपुर द्वितीय गांव से जुड़ा बताया जा रहा है। नरेंद्र बहादुर सिंह पुत्र श्याम नारायण सिंह ने जमीन विवाद को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायती पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। शिकायती पत्र में उन्होंने आरोप लगाया है कि करीब 26 वर्षों से जमीन की पैमाइश और कब्जे को लेकर विवाद चल रहा है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है।

आवेदन के मुताबिक, वर्ष 2000 में चक संख्या 1243 में 14.7 एकड़ भूमि का बैनामा कराया गया था। आरोप है कि चक संख्या 1243 और 1245 की पैमाइश में



कथित गड़बड़ी के चलते जमीन के रकबे को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। शिकायतकर्ता ने मकबूल अहमद पर जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप भी लगाया है। फरियादी का कहना है कि प्रशासनिक स्तर पर कई बार पैमाइश कराए जाने के बावजूद विवाद का निस्तारण नहीं हो सका।

उन्होंने दोनों चकों की संयुक्त और निष्पक्ष पैमाइश कराने, पुलिस बल की मौजूदगी में भूमि का सीमांकन कराकर भौतिक कब्जा दिलाने तथा पूरे प्रकरण की जांच कराने की मांग की है। शिकायती पत्र में सांबाधिता लेखपाल हरिकेश यादव की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उनके स्थानांतरण की मांग भी की गई है। साथ ही कथित अवैध कब्जा हटवाने और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गुहार लगाई गई है। जिलाधिकारी कार्यालय के सामने आत्मदाह के प्रयास की घटना ने एक बार फिर लंबे समय से लंबित जमीन विवादों के निस्तारण को लेकर सवाल खड़े किए हैं। अब शिकायत और आरोपों की जांच के बाद प्रशासन की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बीटीए ने किया स्वागत, कहा - बाइक टैक्सी कैप्टन्स की आजीविका की रक्षा होनी चाहिए

मुंबई। बाइक टैक्सी मामले में कर्नाटक सरकार की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने का बाइक टैक्सी एसोसिएशन ऑफ कर्नाटक (बीटीए) ने स्वागत किया है। एसोसिएशन इसे इस सेक्टर के भविष्य को स्पष्ट करने और उन हजारों कैप्टन्स की आजीविका सुरक्षित करने के एक अहम अवसर के रूप में देखता है, जो अपनी रोजी-रोटी कमाने और परिवार का भरण-पोषण करने के लिए बाइक टैक्सी पर निर्भर हैं।

कई कैप्टन्स के लिए बाइक टैक्सी केवल कमाई का जरिया भर नहीं है। यह उनके लिए सम्मानजनक काम, आर्थिक आत्मनिर्भरता और अपनी सुविधा के अनुसार आजीविका कमाने का अवसर है। यह सेवा यात्रियों को, खासकर कम दूरी के सफर के लिए, एक किफायती और सुविधाजनक यात्रा विकल्प भी देती है।

इस घटनाक्रम पर बात करते हुए बाइक टैक्सी एसोसिएशन ऑफ कर्नाटक (बीटीए) के प्रेसिडेंट श्री आदि नारायण ने कहा, हम माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि इससे कर्नाटक में बाइक टैक्सी के भविष्य को लेकर और अधिक स्पष्टता आएगी। हजारों कैप्टन्स के लिए यह उनकी आजीविका, सम्मान और ईमानदारी से काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करने की क्षमता का सवाल है। हमें उम्मीद है कि इस घटनाक्रम से आगे बढ़ने का एक सकारात्मक रास्ता बनेगा, जहां कैप्टन्स सुरक्षा और सम्मान के साथ अपनी आजीविका कमाना जारी रख सकेंगे। किसी भी चिंता को दूर करने और एक व्यावहारिक समाधान निकालने के लिए हम कर्नाटक सरकार और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं। हमारी अपील है कि यात्रियों को किफायती और सुविधाजनक परिवहन विकल्प लगातार मिलते रहें, यह सुनिश्चित करते हुए हजारों मेहनती कैप्टन्स की आजीविका की रक्षा की जानी चाहिए।

फिटकू बना फेमिना मिस इंडिया महाराष्ट्र 2027 का आधिकारिक हाइजीन पार्टनर।

मुंबई। भारत के पहले फिटकरी-आधारित पर्सनल केयर एवं हाइजीन ब्रांड फिटकू ने फेमिना मिस इंडिया महाराष्ट्र 2027 के साथ आधिकारिक हाइजीन पार्टनर के रूप में साझेदारी की है। यह साझेदारी देश के प्रमुख सौंदर्य एवं सौंदर्य प्रतियोगिता मंचों में से एक पर व्यक्तिगत स्वच्छता और रोजमर्रा की सेल्फ-केयर से जुड़े विषयों को प्रमुखता देने की दिशा में एक पहल है। इसके माध्यम से व्यक्तिगत स्वच्छता और दैनिक देखभाल के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया जाएगा।

यह साझेदारी फेमिना मिस इंडिया महाराष्ट्र 2027 की पूरी यात्रा के दौरान जारी रहेगी, जिसमें ऑडिशन, प्रतिभागियों के साथ संवाद, सेमीफाइनल और ग्रैंड फिनाले जैसे चरण शामिल होंगे। इस सहयोग के माध्यम से फिटकू Phitku का उद्देश्य व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्रतिभागियों के साथ-साथ दर्शकों को रोजमर्रा की व्यक्तिगत देखभाल को लेकर अपने विशेष दृष्टिकोण से परिचित कराना है। फेमिना मिस इंडिया महाराष्ट्र 2027 के इस सीजन में नवंबर 2026 से जनवरी 2027 तक तीन महीनों की अवधि में कुल 10 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान मुंबई और पुणे में ऑडिशन आयोजित होंगे।

इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए फिटकू की सह-संस्थापक नेहा मर्दा ने कहा, हमारा मानना है कि आत्मविश्वास की शुरूआत अपनी त्वचा और व्यक्तित्व के साथ सहज महसूस करने से होती है। हमें खुशी है कि हम फेमिना मिस इंडिया महाराष्ट्र का हिस्सा हैं, जो व्यक्तिगत पहचान, आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा का उत्सव मनाता है। फिटकू के सह-संस्थापक और सीईओ सुमित मर्दा ने कहा, फेमिना मिस इंडिया महाराष्ट्र 2027 के साथ अपने इस जुड़ाव के माध्यम से फिटकू पर्सनल हाइजीन को आत्मविश्वास, सेल्फ-केयर और रोजमर्रा की वेलनेस से जुड़ी एक व्यापक चर्चा का हिस्सा बनाना चाहता है, ताकि पारंपरिक ब्रांड प्रचार से आगे बढ़कर सार्थक अनुभवों के जरिए युवा दर्शकों से जुड़ा जा सके।

सराई में दुबे परिवार के द्वारा श्री मद्भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन

प्रेम चंद मिश्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सराई (नेवाजकापुरा) , पोस्ट पवारा, थाना पवारा , जनपद जौनपुर दुबे परिवार के तत्वावधान में सप्त दिवसीय श्री मद्भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। मुख्य यजमान श्रीमती गीता देवी दुबे एवं संतोष दुबे पुत्र स्वर्गीय शीतला प्रसाद दुबे है। यह आयोजन

14 नवंबर 2026 शनिवार को भव्य कलश यात्रा के साथ आरंभ हुए कार्यक्रम का समापन 21 नवंबर 2026 को यज्ञ, हवन व कच्ची के साथ होगा। 22 नवंबर को महाप्रसाद के साथ पूर्णाहुति होगी।

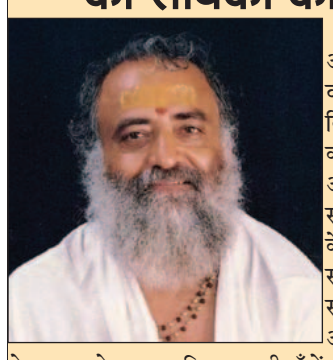
सप्त दिवसीय ज्ञान यज्ञ के कथा व्यास पुज्य मधुकर जी महराज है। मुख्य अतिथि के रूप में गुरुकुल बलराम ओझा, मुख्य यज्ञाचार्य पंडित गिरीशचंद्र शुक्ल, महराज हैं। मुंबई से पहुंचे मनपा सेवानिवृत्त शिक्षक प्रेम चंद्र तिवारी उपस्थित हैं।



सनातन धर्म के अनुसार धार्मिक अनुष्ठानों का बड़ा महत्व है और सर्वाधिक सत्संग होने की वजह से भी यहां के नागरिकों में एक अलग सा उत्साह देखा जाता है। दुबे परिवार द्वारा आयोजित श्री मद्भागवत महापुराण का समय दोपहर 3 बजे से 6 बजे सायंकाल तक है, आयोजन दुबे परिवार द्वारा स्थानीक भक्तों सहित आसपास के क्षेत्रवासियों से निवेदन किया है कि सभी सनातनी बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर कथा श्रवण का लाभ लें।

दुबे परिवार के अथक प्रयास से सुसज्जित कथा पांडाल में श्रोताओं के लिए सुविधाओ की उत्तम व्यवस्था की गयी है। यह आयोजन सराई के राम अकबाल दुबे, राजेश दुबे , विनोद दुबे, रामविलास ,रोहित , मनोज , अनुराग आकाश , आशीष ,अनुज ,आदर्श, प्रतिक्ष , अमन,ऋषिकेश , अतुल, विपुल, शिव , दक्ष , आदित्य, रुद्र ,कपिल मुनि , सुधीर , शिव समस्त दुबे परिवार का सराहनीय सहयोग है। सभी भक्तों से अनुरोध है कि ठीक समय पर पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाएं। यह जानकारी उमेश तिवारी ने दी है।

आजाद मैदान, मुंबई में 23 नवंबर को साधकों का महा धरना



मुंबई। पूज्य संत श्री आशारामजी बापू के प्रति पिछले 24 वर्षों से जारी कथित अन्याय के विरोध में एवं निष्पक्ष जाँच और सत्य को सामने लाने की माँग को लेकर आगामी 23 नवंबर 2026, सोमवार को सुबह 9 बजे से मुंबई के आजाद मैदान में संस्कृति संजीवनी ट्रस्ट मुंबई एवं समस्त साधकों द्वारा एक महा धरने का आयोजन किया जा रहा है। इस धरने के माध्यम से साधक परिवार अपनी माँगों को शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से संबंधित अधिकारियों और आमजन तक पहुँचाना चाहता है। आयोजकों का कहना है कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष जाँच, न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और सत्य को सामने लाने की माँग को बुलंद करना है। समस्त साधक परिवार की ओर से देशभर के सभी साधक भाई-बहनों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में धरना स्थल पर पहुँचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएँ और इस आयोजन में सहभागी बनें। आयोजकों ने सभी सहभागी साधकों से अनुशासन, शांति एवं मयार्दा बनाए रखते हुए कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया है।

इंदौर के द्वारकापुरी में फंदे पर लटका मिला छात्र का शव

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में 12वीं कक्षा के एक छात्र का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने उसके दोस्तों पर मारपीट कर हत्या करने और शव को आत्महत्या का रूप देने के लिए फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान 22 वर्षीय हर्ष टंडन के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पिगडंबर का रहने वाला था और द्वारकापुरी इलाके में अपनी नानी के पास रहकर एक निजी स्कूल से 12वीं की पढ़ाई कर रहा था। घटना का खुलासा गुरुवार रात तब हुआ, जब हर्ष का एक दोस्त उसे मोबाइल



देने के लिए कमरे पर पहुंचा। दरवाजा खोलने पर उसने हर्ष को पंखे से लटका हुआ देखा।इसकी सुचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पिता नटवर टंडन ने घटनास्थल की स्थिति देखकर हत्या की आशंका जताई। पिता का आरोप है कि रात के समय हर्ष के दोस्त उसके साथ कमरे पर ही मौजूद थे। वहां मारपीट हुई थी और हर्ष के शरीर पर चोट के निशान भी थे। उनका कहना है कि दोस्तों ने ही उसके साथ मारपीट कर हत्या की और बाद में घटना को खुदकुशी दिखाने के लिए शव को फंदे पर लटका दिया। द्वारकापुरी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस उन दोस्तों से पूछताछ कर रही है, जो रात में छात्र के साथ मौजूद थे।

निर्विरोध की चुनावी लहर

झुन्झुनू। पंचायत राज चुनाव में वैसे तो कई जगह निर्विरोध वार्ड पंच और उप सरपंच बनने की खबर है पर चौथे चरण के पंचायत राज चुनावों में अलसीसर पंचायत के ग्राम हंसासरी में निर्विरोध प्रत्याशियों का पूरा दबदबा रहा।वहां के रिटर्निंग अधिकारी मनोज कुमार की सूझबूझ एवं वहां के लोगों की समझदारी से गांव के 7 वार्ड के सभी प्रत्याशी वार्ड पंच के लिए निर्विरोध चुने गए।उनकी सार्थक सोच यही नहीं रुकी सरपंच के चुनाव बाद उप सरपंच को भी सबकी सहमति से एक पात्र में 7 वार्डों की पर्ची डाली ओर एक पर्ची छोटे बालक से निकलवाकर जिसका नंबर हाथ में आए उसको ही उपसरपंच बना दिया।न गोई गिला और न कोई शिकवा मिट्ठू नायक को उपसरपंच बना दिया। सरपंच के पद पर चार



दावेदार होने के बावजूद भी लोगों ने समझदारी दिखाई जो जीता उसी को अपना सरपंच मान लिया।आपको बता देवे कि यहां से 121 मतों से मोहर सिंह सरपंच पद पर विजय हुए। दूसरे दिन हुए चुनाव में वहां के सबसे मिलजुल कर एक राय होकर सभी ने उप सरपंच वार्ड पंच पद पर विजय हुए प्रत्याशियों को वहां उपस्थित रहे सेक्टर मजिस्ट्रेट डॉ.राजेंद्र कुमावत के समक्ष रिटर्निंग अधिकारी ने सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई और अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए गांव को खुशहाल बनाने की कामना की।

प्रयागराज के वरिष्ठ पत्रकार आशीष शर्मा को मिलेगा कम्मू राष्ट्र गौरव सम्मान 2027



प्रयागराज। पत्रकारिता क्षेत्र में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ पत्रकार आशीष शर्मा का चयन कम्मू राष्ट्र गौरव सम्मान 2027हेतु चयनित किया गया है, आशीष शर्मा ने पिछले चौबीस वर्ष से निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता के माध्यम से आमजन की आवाज उठाने का कार्य निरंतर किया हैं, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहते हुए जनसमस्याओं को सदैव इनके द्वारा प्रमुखता से उठाया गया है, एक राष्ट्रीय स्तर के संगठन के केंद्रीय प्रभारी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)के पद पर रहते हुए पत्रकारों की गम्भीर समस्याओं पर भी समय-समय पर निर्भीकता से अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए अग्रणी भूमिका निभाई है। सम्मान हेतु नामित होने पर देशभर से लोगों ने बधाई प्रेषित किया तथा अपनी खुशी जाहिर की।

हाजी अरफत शेख को जन्मदिन पर दी गई हार्दिक शुभकामनाएं



मुंबई। महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक सेल के अध्यक्ष, भाजपा प्रणित नवभारतीय शिव वाहतूक संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा महाराष्ट्र ट्रांसपोर्ट सेल के अध्यक्ष तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त हाजी अरफत शेख को जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर कुर्ला पश्चिम, मुंबई स्थित उनके जनसंपर्क कार्यालय एवं मध्यवर्ती कार्यालय में समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) सहित अन्य गणमान्य लोगों ने हाजी अरफत शेख को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। हाजी अरफत शेख जाने-माने व्यापारी होने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

जन्मदिन के अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। इस मौके पर हाजी अरफत शेख ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया तथा उनके लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

बदलापुर में डीजे संचालकों पर पुलिस की सख्ती, 36 से अधिक वाहनों की हुई जांच

बदलापुर, जौनपुर (उत्तर शक्ति)। ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण लगाने और निर्धारित नियमों का पालन कराने के लिए बदलापुर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को डीजे वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक फूलचंद पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तीन दर्जन से अधिक डीजे वाहनों को रोककर उनके जरूरी दस्तावेजों की जांच की। अभियान के दौरान पुलिस ने डीजे संचालकों के कागजातों का सत्यापन किया और उन्हें शासन द्वारा निर्धारित ध्वनि मानकों के अनुसार ही डीजे बजाने के निर्देश दिए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति या अनावश्यक रूप से तेज आवाज में डीजे बजाने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक फूलचंद पांडेय ने संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि नियमों के विपरीत डीजे संचालन करने पर संबंधित लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। साथ ही वाहन सीज करने की कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। उन्होंने सभी डीजे संचालकों से निर्धारित नियमों का पालन करने और ध्वनि प्रदूषण रोकने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। पुलिस के इस अभियान से डीजे संचालकों में सतर्कता देखने को मिली। अधिकारियों का उद्देश्य तेज आवाज से आमजन को होने वाली परेशानी रोकना और कानून व्यवस्था बनाए रखना है।

तालाब में डूबने से 15 वर्षीय बालक की मौत, छठ पूजा के लिए भरे पानी में नहाते समय हादसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के दौलतिया मंदिर तालाब में डूबने से 15 वर्षीय बालक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि छठ पूजा के लिए तालाब में पानी भरा गया था। इसी दौरान बालक नहाने के लिए तालाब में उतरा, जहां डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। आकस्मिक हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

बदलापुर पुलिस ने तमंचा-कारतूस के साथ युवक को किया गिरफ्तार

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक देशी तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कस्तूरीपुर गांव निवासी अखिलेश गौतम उर्फ दिलजले (32) पुत्र राजनाथ के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे मुकदमा संख्या 186/2026 में दर्ज बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत वांछित बताया है।

इसके अलावा आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है। शुक्रवार की शाम लगभग 5:00 बजे थाना अध्यक्ष बदलापुर फूलचंद पांडे ने बताया कि, आरोपी के खिलाफ बदलापुर और महराजगंज थानों में चोरी, मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में पांच मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी और बरामदगी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू की। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक वीरेंद्र कुमार गौतम समेत बदलापुर थाने के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी के निधन पर शोक संवेदना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी का शुक्रवार को 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के पंचूर गांव स्थित अपने पैतृक घर में अंतिम सांस ली। वे पंचूर गांव में ही रहती थीं, जो योगी आदित्यनाथ का पैतृक गांव है। यहीं उनका बचपन बीता था। महाराष्ट्र की पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह, भाजपा नेता चित्रसेन सिंह, भाजपा प्रवक्ता आनंद दुबे, मीरा भायंदर के भाजपा नेता सुरेश सिंह, कमलेश दुबे, नगरसेवक मदन सिंह,



नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे, परिवहन समिती सभापति एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, नगरसेवक विवेक उपाध्याय समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

एचएमएसआई ने रेबेल 500 की कीमतों की घोषणा की

पटना (उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी नई लाइफस्टाइल क्रूजर बाइक होंडा रेबेल 500 की कीमतों की घोषणा करते हुए देशभर में इसकी बुकिंग शुरू कर दी है। जिसके स्टैंडर्ड वेरिएंट की कीमत 4,49,900 रुपये और ई-क्लच वेरिएंट की कीमत 4,89,900 रुपये एक्स-शोरूम बेंगलुरु रखी गई है। भारत में निर्मित यह बाइक 471 सीसी लिक्विड-कूल्ड, पैरेलल-ट्विन इंजन के साथ आती है और इसमें एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, होंडा रोडसिंक के साथ टीएफटी डिस्प्ले, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, होंडा सिलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल और डुअल-चैनल एबीएस जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। ग्राहक एचएमएसआई की वेबसाइट या देशभर की अधिकृत होंडा बिगविंग डीलरशिप के माध्यम से 5,000 में इस मोटरसाइकिल की बुकिंग कर सकते हैं।